www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
24 नवम्बर 2026
वर्षः 49
अंकः 191 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

अयोध्या-जनकपुर के बीच सीधी ट्रेन 'सरयू-कमला एक्सप्रेस' शुरू

मोदी-बालेन ने दिखाई हरी झंडी, यूपी-बिहार के 10 स्टेशनों पर रुकेगी



लखनऊ (एजेंसी)। भगवान राम की नगरी अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच पहली ट्रेन आज से शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने हरी झंडी दिखाकर सरयू कमला एक्सप्रेस को रवाना किया। यह ट्रेन यूपी और बिहार के 10 स्टेशनों पर रुकेगी। पहले दिन 1158 यात्री इसमें सवार हुए। आम यात्रियों के लिए यह ट्रेन 28 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है। वाल्मीकि रामायण के मुताबिक, राजा दशरथ राम बारात लेकर जब मिथिला में जनकपुर पहुंचे थे तब उन्हें 4 दिन लगे थे। अब यही सफर लगभग 19 घंटे में पूरा होगा। अयोध्या कैंट से जनकपुर धाम के बीच रेल मार्ग की कुल दूरी करीब 604 किलोमीटर होगी। ट्रेन करीब 19 घंटे में यह दूरी तय करेगी। ट्रेन उत्तर प्रदेश और बिहार के अलग-अलग शहरों से गुजरते हुए नेपाल पहुंचेगी। सरयू कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ के मौके पर पूरे अयोध्या रेलवे स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा रही। स्टेशन के कोने-कोने में मौजूद पुलिसकर्मी लोगों की हर गतिविधि पर नजर रख रहे थे। अयोध्या से जनकपुर के लिए ट्रेन कैंट रेलवे स्टेशन से रवाना होगी।

चारापत्ती लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया निवाला

पांच घंटे तक शव के पास डटे रहे ग्रामीण, वन विभाग के अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने से भड़का आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार रेंज से सटी सनेह पट्टी के कोटड़ीढांग में गुलदार की धमक ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं। सोमवार को गाय के लिए चारापत्ती लेने जंगल गई 42 वर्षीय महिला को गुलदार ने हमला कर मार डाला। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का आरोप था कि क्षेत्र में लंबे समय से गुलदार की सक्रियता की सूचना वन विभाग को दी जा रही थी, लेकिन विभाग ने लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। हैरानी की बात यह रही कि घटना के कई घंटे बाद भी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। इससे नाराज ग्रामीण शव के पास ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक गुलदार को शूट करने का आदेश नहीं दिया जाता, तब तक शव नहीं उठाया जाएगा।

घटना सोमवार दोपहर करीब 12 बजे की है। कोटड़ीढांग निवासी कविता कोठियाल (42 वर्ष) पत्नी कमल किशोर सिद्धबली-सनेह मार्ग के समीप जंगल में चारापत्ती लेने गई थीं। इसी दौरान झाड़ियों में घात लगाए बैठे गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। कविता की चीख-पुकार सुनकर मार्ग से गुजर रहे लोगों ने शोर मचाना शुरू किया। इस पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल कविता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। उन्होंने शव को मार्ग पर रखकर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीण कई घंटे तक वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के पहुंचने का इंतजार करते रहे। हालांकि, कुछ देर बाद कोटद्वार रेंजर विपिन जोशी वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। प्रभागीय वनाधिकारी के मौके पर नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार गुलदार की धमक बनी हुई है, लेकिन वन विभाग समस्या को लेकर गंभीर नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि तीन नवंबर को सनेह मल्ली में गुलदार ने आठ वर्षीय बच्ची पर भी हमला किया था। हालांकि, बच्ची की मां की तत्परता से उसकी जान बच गई थी। इसके बाद क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर लगातार गुलदार दिखाई देने की घटनाएं सामने आती रहीं। ग्रामीणों ने पांच नवंबर को कोटद्वार रेंज कार्यालय का घेराव कर वन विभाग के समक्ष अपनी चिंता जताई थी। आरोप लगाया कि ग्रामीणों के विरोध के बाद विभाग ने पिंजरा लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली। गुलदार को ट्रैंकुलाइज करने के लिए दो बार टीम भी क्षेत्र में पहुंची, लेकिन गुलदार की लोकेशन तक पता नहीं कर पाई। घटना की सूचना मिलने पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण भी मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों ने उन्हें वन विभाग की कार्यप्रणाली और पूर्व में दी गई शिकायतों की जानकारी देते हुए नाराजगी जताई। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने प्रभागीय वनाधिकारी तरुण एस. से फोन पर वार्ता कर उनके मौके पर नहीं पहुंचने का कारण जानने का प्रयास किया। हालांकि, नेटवर्क की समस्या के कारण उनसे बातचीत नहीं हो पाई। करीब पांच घंटे तक चले विरोध के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने ग्रामीणों को गुलदार को शूट करने का आदेश दिखाया। इसके बाद ग्रामीणों ने शव को मौके से उठाने दिया।



कोटद्वार के सनेह क्षेत्र में शव के समीप बैठकर आक्रोश जताते लोग

आदेश पर श्रेय की लेने की राजनीति

कोटद्वार के सनेह क्षेत्र में महिला की मौत के बाद ग्रामीण गुलदार को सूट करने की मांग पर डटे रहे। लेकिन, कुछ देर बाद आदेश जारी होने के बाद राजनीति का माहौल देखने को मिला। पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी मोबाइल पर आदेश दिखाकर वन मंत्री से वार्ता कर आदेश जारी करने की बात कर रहे थे। जबकि, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत भी स्वयं के द्वारा आदेश लाने की बात कहते रहे। हालांकि, कुछ देर बाद विधानसभा अध्यक्ष आदेश की कापी लेकर लोगों के बीच पहुंची और स्वयं का श्रेय लेने लगी।

स्वामी रामदेव के निशाने पर कथा वाचक

हरिद्वार। योग गुरु स्वामी रामदेव ने सोमवार को कथा वाचकों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयानों का उदाहरण देते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बावला, ढोंगी, पाखंडी और धूर्त भी आज सनातन को बदनाम करने पर तुला है। बताया जा रहा है कि यह तीखी प्रतिक्रिया उनकी 23 नवंबर को जमशेदपुर में महिला पतंजलि योग समिति पूर्वी सिंहभूम के प्रांतीय महासम्मेलन के मंच से दी गई है। वायरल वीडियो में स्वामी रामदेव मंच से कहते दिख रहे हैं कि कुछ लोग ना वेद पढ़े हैं, ना दर्शन उपनिषद पढ़े हैं, ना कुरान पढ़े हैं, ना रामायण, ना महाभारत, ना संविधान को जानते हैं और ना लोकतंत्र को जानते हैं और खड़े होकर सिर्फ बकवास करते हैं। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि कुछ ऐसे अज्ञानी कथा वाचक कहते हैं कि हम सनातनी हैं, हम हिंदू धर्म को बचाएंगे, अरे खुद को ही बचा ले बावले, पाखंडी और धूर्त तो बेहतर होगा।

बीजेपी विधायक रेखा पात्रा ने खाया जहर, हालत गंभीर

कोलकाता में भर्ती, संदेशखाली आंदोलन से चर्चा में आईं बंगाल दौरे में पीएम मोदी ने कहा था-आप शक्ति स्वरूपा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की बीजेपी विधायक रेखा पात्रा ने जहर खा लिया है। दो दिनों से कोलकाता के निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल के मुताबिक, रेखा पहले वेंटिलेटर पर थीं। सोमवार सुबह उन्हें वेंटिलेटर से हटाया गया है। हालांकि, उनके शरीर में जहर का असर बना हुआ है, जिसके कारण हार्ट रेट सामान्य से ज्यादा है। परिवार के मुताबिक, रेखा ने शनिवार रात हर्बल कीटनाशक खाया था। उनके पति संदीप पात्रा ने बताया कि रेखा की स्थिति ठीक नहीं है। अभी कुछ कहना संभव नहीं है।' रेखा पात्रा 2024 में संदेशखाली आंदोलन के दौरान चर्चा में आई थीं। 26 मार्च 2024 को पीएम मोदी ने रेखा से फोन पर बातचीत की थी। मोदी ने कहा था- रेखा, आपने संदेशखाली में बहुत बड़ी लड़ाई लड़ी है। आप एक तरह से शक्ति स्वरूपा हैं।



तीन अस्पतालों में इलाज चला शरीर में ट्यूब डाली गई

पार्टी के मुताबिक, शनिवार रात करीब 9 बजे हिंगलगंज स्थित घर पर रेखा की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया था। फिर बशीरहाट सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां भी करीब चार घंटे इलाज के बावजूद उनकी हालत में खास सुधार नहीं हुआ।

पॉवर अपनी बढ़ती ताकत का दुनिया ने माना लोहा

भारत एशिया में तीसरा सबसे ताकतवर देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत एशिया में सबसे ज्यादा प्रभाव रखने वाले देशों में तीसरे नंबर पर है। उसने हाल ही में अपनी स्थिति और मजबूत की है। ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के एशिया पावर इंडेक्स

2026 में पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हुआ

2026 में भारत का कुल पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में भारत का क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ा है। इसमें कूटनीतिक स्थिति, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक पहुंच और भविष्य के संसाधनों में सुधार का योगदान रहा। लिस्ट में अमेरिका पहले और चीन दूसरे नंबर पर है। भारत की



आर्थिक क्षमता का स्कोर घटकर 26.4 अंक हुआ, फिर भी वह इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर रहा।

रिपोर्ट में आर्थिक क्षमता में गिरावट का दावा- लोवी इंस्टीट्यूट ने भारत की आर्थिक क्षमता में गिरावट की वजह कमजोर रुपए और अर्थव्यवस्थाओं को मापने की इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की बदली पद्धति को बताया। भारत के विदेशों में निवेश में करीब 20 अरब डॉलर की कमी का भी उसके प्रदर्शन पर असर पड़ा। इसके बावजूद, भारत के भविष्य के संसाधनों का स्कोर बढ़कर 56.2 अंक हो गया। यह सुधार बेहतर आर्थिक अनुमान और देश के सामने मौजूद अवसरों को दिखाता है। रिपोर्ट ने कहा गया कि 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था और कूटनीति के नतीजे मिले-जुले रहे, लेकिन एशिया में उसका प्रभाव बढ़ा। कूटनीतिक प्रभाव भारत का सबसे मजबूत क्षेत्र बना रहा। इस श्रेणी में भारत को 70.3 अंक मिले। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्रीय नेतृत्व के आंकलन में बड़ा सुधार हुआ। वह तीन स्थान ऊपर पहुंचे और चीनी रापति शी जिनपिंग के बाद दूसरे सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता बने। भारत ने अपने आर्थिक रिश्तों में भी सुधार किया। वह इस श्रेणी में दो स्थान ऊपर उठकर सातवें स्थान पर पहुंचा। क्षेत्रीय व्यापार और निवेश संबंधों में अपेक्षाकृत स्थिरता आई है।

रक्षा और सांस्कृतिक प्रभाव में बढ़ोतरी

भारत का रक्षा नेटवर्क स्कोर बढ़कर 18.6 अंक हो गया। वह इस श्रेणी में नौवें स्थान पर पहुंचा। इस सुधार को क्षेत्रीय रक्षा सहयोग में बढ़ोतरी और दक्षिण-पूर्व एशिया में ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री से मदद मिली। भारत का सांस्कृतिक प्रभाव स्कोर भी बढ़कर 43.8 अंक हो गया। सांस्कृतिक पहुंच, जनसंपर्क और लोगों के बीच संपर्क के सभी क्षेत्रों में सुधार हुआ। इन सुधारों से 2023 के बाद पहली बार भारत के उपलब्ध संसाधनों और एशिया में उसके प्रभाव के बीच का अंतर कम हुआ। भविष्य के संसाधनों में बढ़ोतरी के साथ यह संकेत मिला कि भारत अपना बढ़ता क्षेत्रीय प्रभाव बनाए रख सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की कुल शक्ति भारत से अब भी 80 फीसदी ज्यादा है। इससे दोनों देशों के बीच जारी अंतर साफ होता है। 2026 का एशिया पावर इंडेक्स 27 देशों और क्षेत्रों का आंकलन करता है।

नेपाल को 15 हजार करोड़ की मदद

पीएम मोदी बोले-नेपाल के बिना हमारे धाम और राम दोनों अधूरे

बालेन बोले-नेपाल और भारत के रिश्ते हिमालय की तरह मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नेपाल के साथ रिश्तों को और मजबूत करने के लिए 15 हजार करोड़ भारतीय रुपए की मदद का ऐलान किया। बालेन शाह के भारत के पहले द्विपक्षीय दौरे को दोनों देशों की गहरी दोस्ती का प्रतीक बताते हुए मोदी ने साझा इतिहास, संस्कृति और आस्था का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम और माता सीता भारत-नेपाल की साझा सभ्यता के प्रतीक हैं। 2018 में जनकपुर यात्रा को याद करते हुए मोदी ने कहा कि नेपाल के बिना हमारे धाम अधूरे हैं और नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे हैं। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई देने की बात कही। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के रिश्ते हिमालय की तरह मजबूत और समुद्र की तरह विशाल हैं।



नेपाल को कांडला-पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच मिली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत नेपाल को गुजरात के कांडला और ओडिशा के पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच देगा। इससे नेपाल का दूसरे देशों के साथ व्यापार आसान होगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ बेहतर व्यापार और निवेश से नेपाल की अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सड़क और सीमा संपर्क को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड और नेपाल के बीच धारचूला में सड़क पुल का उद्घाटन किया गया है। साथ ही बनबसा में एकीकृत जांच चौकी की आधारशिला रखी गई है। मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्तराखंड और नेपाल के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही आसान होगी।

मोदी बोले- नेपाल के बिना हमारा धाम भी अधूरा है

मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सिर्फ पड़ोसी देशों का रिश्ता नहीं है, बल्कि दोनों का इतिहास, संस्कृति और परंपराएं भी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच सदियों पुराने रिश्ते हैं। उन्होंने 2018 में अपनी जनकपुर यात्रा को याद करते हुए कहा कि भारत और नेपाल का संबंध भगवान राम और माता सीता से भी जुड़ा है। जनकपुर को माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है, जबकि अयोध्या भगवान राम की नगरी है। दोनों जगहों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। इसी रिश्ते का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, नेपाल के बिना हमारा धाम भी अधूरा है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के संबंधों की यही खासियत दोनों देशों को करीब लाती है।

योगी बोले- सदियों पुराना सांस्कृतिक रिश्ता फिर जुड़ा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरयू-कमला एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू होने से अयोध्या और मिथिला के बीच सदियों पुराना सांस्कृतिक रिश्ता एक बार फिर मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन सेवा से दोनों देशों के श्रद्धालुओं के लिए सीधे यात्रा करना आसान हो जाएगा। नेपाल के श्रद्धालु भगवान राम के दर्शन करने अयोध्या आ सकेंगे, वहीं भारत के श्रद्धालु देवी जानकी की पूजा के लिए जनकपुरधाम जा सकेंगे।

भारत-नेपाल के बीच 200 किमी का चक्कर खत्म

भारत और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को अब करीब 200 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी और बालेन शाह ने दिल्ली से बटन दबाकर काली नदी पर बने छारछुम अंतरराष्ट्रीय मैत्री मोटर पुल का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह पुल उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला को नेपाल के दार्चुला से जोड़ेगा। इससे दोनों देशों के सीमावर्ती इलाकों के लोगों की आवाजाही आसान होगी। अब तक लोगों को एक-दूसरे के यहां जाने के लिए करीब 200 किलोमीटर का अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ता था। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि पुल शुरू होने से भारत और नेपाल के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन के दौरान छारछुम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुटे। समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य कर इस मौके का जश्न मनाया।

सीजेआई सूर्यकांत की न्यायिक अधिकारियों को बड़ी फटकार

कहा-हमें पता है दिन भर क्या करते हैं, बस 24 घंटे सुविधाएं चाहिए



सिर्फ अपने लिए सोचते रहते हैं अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कुछ न्यायिक अधिकारियों के रवैये पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उनका कहना है कि ऐसे अधिकारी अपने अदालती कार्यों पर ध्यान देने के बजाए, सिर्फ अपने ही लाभ के बारे में सोचते रहते हैं और समय बिता देते हैं। जबकि, अदालतों के बाहर लोग कतारें लगाए खड़े रहते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कुछ न्यायिक अधिकारियों द्वारा अपनी सर्विस और रिटायरमेंट के बाद के लाभों से जुड़े विषयों पर बार-बार अदालतों का चक्कर काटने के बर्ताव के प्रति गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि ऐसे अधिकारियों को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट को कुछ भी पता नहीं है कि उनका दिनभर क्या चलता रहता है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, अब वे कुछ ज्यादा ही बोल रहे हैं। हर चीज में न्यायिक अधिकारी आवेदन लगा रहे हैं (यह कहते हुए) कि यह मंजूरी दी जाए।

एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को लगता है कि जैसे सुप्रीम कोर्ट को पता ही नहीं है कि नीचे क्या चल रहा है। न्यायिक अधिकारी 24 घंटे सिर्फ अपने फायदे और रिटायरमेंट बेनिफिट के बारे में सोचते रहते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने यह टिप्पणी ए जुबिया बनाम केरल हाई कोर्ट से जुड़े एक केस की सुनवाई के दौरान की है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच में यह सुनवाई जिला न्यायपालिका में भर्तियों के मामले को लेकर चल रही है। सीजेआई सूर्यकांत ने भारत के चीफ जस्टिस के रूप में अपने अब तक के करीब एक साल के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं, जो सुर्खियां बनी हैं- हाल ही में सीजेआई ने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का अधिकार है।

संपादकीय

यमुना भी मैली

पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट नहीं मिल सके। लेकिन अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद यमुना और मैली हो गई है। मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है, लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है तो खामोशी ओढ़ लेता है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है। सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार प्रयास होते ही नहीं। यदि होते तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती। मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी-भरकम राशि कहां गई, जो सफाई पर खर्च की गई थी? आखिर क्या वजह है कि नदी का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया? सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी उल्लेख किया कि गंदा पानी ले जाने वाले 520 नाले यमुना में क्यों गिराए जा रहे हैं? कोर्ट ने प्रश्न किया कि जिन विभागों की जिम्मेदारी यमुना में गंदे नालों को जाने से रोकने की थी, उन्होंने क्या किया?

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा -अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईर्ष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है।

गुरु नानक देव ने फ़ैलाया जगत में ज्ञान का प्रकाश

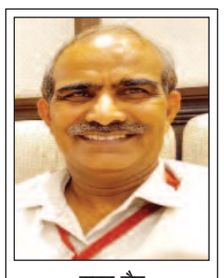

सनत जैन

अंधविश्वास और आडंबरों को दूर कर ज्ञान का प्रकाश सारे जगत में फैलाने वाले गुरु नानक का प्रकाश उत्सव यानि अवतरण दिवस कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है, हालांकि उनका वास्तविक जन्म 15 अप्रैल 1469 को हुआ था। गुरु नानक देव पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर जन्मे थे। उनके माथे पर शुरू से ही तेज आभा बनी हुई थी। तलवंडी जो अब पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील दूर पश्चिम में स्थित है, गुरु नानक का नाम साथ जुड़ने के बाद ननकाना कहलाया। गुरु नानक के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

बचपन में जब नानक देव के अन्य साथी बच्चे खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित हो जाते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा ,लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते और वे उनके ज्ञान व प्रतिभा को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर इस संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भी भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। अन्ततः नानक देव ने घर बार छोड़ दिया और दूर देशों में भ्रमण करना शुरू किया। इससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। उन्होंने कबीरदास की निर्गुण उपासना का प्रचार पंजाब से आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु बन हुए।

गुरु नानक देव का विवाह सन सन1485 में बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके दो पुत्र श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द हुए। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। उनके पिता ने उन्हें घोड़ों का व्यापार करने के लिए जो राशि दी थी, वह भी नानक जी ने साधु सेवा में लगा दी। कुछ समय बाद नानक जी अपने बहनोई के पास सुल्तानपुर चले गये। वहां वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत खां के यहां मादी रख लिये गये। नानक जी अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते थे और जो भी आय होती थी, उसका ज्यादातर हिस्सा साधुओं और गरीबों को दे देते थे।

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ। इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की यात्राएं भी कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में आकर बस गये और सन1521 ई. से सन1539 ई. तक वहीं रहे।

गुरु नानक देव ने जात-पांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर प्रथा शुरू की । लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। गुरु नानक देवजी का जन्मदिन प्रतिवर्ष गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं। गुरु नानक जी का निधन सन सन1539 ई. में हुआ। उन्होंने गुरुगद्दी का भार गुरु अंगददेव (बाबा लहना) को सौंप दिया थाऔर स्वयं करतारपुर में ज्योति में लीन हो गए।

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। नाम-



स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत-प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दीं जो यहां प्रस्तुत हैं,

ईश्वर एक है,सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो। ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है। ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए। बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए। मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से ज़रूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं। भोजन शरीर को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।गुरु नानक देव की दी हुई शिक्षा से समाज मे व्यापक जागृति आई और वे सिर्फ सिख धर्म ही नही सम्पूर्ण समाज के प्रेरक बने।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!



डॉ. प्रियंका सौरभ

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है–यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता।

जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है।

विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं।

एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा।

निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती। सबसे चिंताजनक स्थिति जवाबदेही के धुंधले पड़ने की है। सरकारी अधिकारी कह सकता है कि निर्णय प्रणाली के सुझाव पर लिया गया, तकनीकी कंपनी कह सकती है कि उसने केवल उपकरण दिया, और विभाग कह सकता है कि प्रक्रिया स्वचालित थी। अंततः नागरिक किसे जवाबदेह ठहराए? लोकतंत्र में जिम्मेदारी का कोई रिक्त स्थान नहीं हो सकता। मशीन के पीछे छिपकर निर्णय लेने वाले अधिकारियों को प्रशासनिक उत्तरदायित्व से बचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकारी निर्णय में एआई का इस्तेमाल हुआ है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किसने लिया और उसके परिणामों की जिम्मेदारी किसकी है।

शासन में एआई के उपयोग पर पारदर्शिता कोई कृपा नहीं, नागरिक का अधिकार होना चाहिए। नागरिक को बताया जाए कि उसके आवेदन, शिकायत, पात्रता या किसी अन्य प्रक्रिया में एआई की भूमिका है या नहीं। निर्णय का आधार क्या है, संबंधित जानकारी कहाँ से आई और यदि निर्णय गलत है तो उसे चुनौती देने का रास्ता क्या है–इन सवालों के उत्तर उपलब्ध होने चाहिए। तकनीकी जटिलता को जवाबदेही से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

जनता ने नकार दिया भजनलाल शर्मा का नेतृत्व ! अपने भी बैठे हैं नाराज, क्या अब सीएम बदलेंगे मोदी-शाह?



नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है।

राजस्थान की राजनीति में गांवों की चौपाल से उठने वाला संदेश अक्सर सत्ता के गलियारों तक पहुंचते-पहुंचते बड़ा सियासी सवाल बन जाता है। पंचायत चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर सामने आई तस्वीर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व, सरकार की कार्यशैली और प्रदेश भाजपा संगठन के भीतर तालमेल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा ने जिस राजनीतिक उम्मीद के साथ भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी, उस उम्मीद के बाद अब तक हुए चुनावी पड़ावों को लेकर पार्टी के सामने आत्ममंथन की स्थिति बनी हुई है। सवाल केवल पंचायत चुनावों में हार-जीत का नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक दिशा का है जिसके सहारे भाजपा राजस्थान में अपना जनाधार मजबूत रखने की कोशिश कर रही थी।

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है। भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में इन सभी मोर्चों पर समन्वय को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा के लिए राजस्थान में राजनीतिक चुनौती की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से ही हो गई थी। विधानसभा चुनावों में 115 सीटें जीतकर सत्ता में आई भाजपा लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी थी, लेकिन उसे 14 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 11 सीटें हासिल कर भाजपा के उस राजनीतिक दबदबे को चुनौती दी, जिसे पार्टी विधानसभा चुनावों की जीत के बाद अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही थी।

इसके बाद इस साल सितंबर में हुए शहरी निकाय चुनावों की तस्वीर भी भाजपा के लिए पूरी तरह एकतरफा नहीं रही। प्रदेश के 7,475 शहरी वार्डों में भाजपा को 3,054 और कांग्रेस को 2,786 सीटें मिलीं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 1,635 वार्डों में जीत दर्ज की। दस नगर निगमों में भाजपा पांच में आगे रही, कांग्रेस तीन में और एक में निर्दलीय आगे रहे, जबकि जोधपुर में मुकाबला बराबरी का रहा। यानी शहरी निकायों में भी भाजपा को ऐसा निर्विवाद जनसमर्थन नहीं मिला, जिसकी उम्मीद सत्ता में बैठी पार्टी कर सकती थी। अब पंचायत चुनावों ने इस राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट कर दिया है। गांवों में भाजपा को जिस तरह कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों से चुनौती मिली, उसने प्रदेश सरकार के लिए नई राजनीतिक परिस्थिति पैदा कर दी है।

देखा जाये तो राजस्थान के 37 जिलों में आए पंचायत चुनाव परिणाम भाजपा के लिए खासे महत्वपूर्ण हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के नतीजों में कांग्रेस ने भाजपा से कहीं अधिक सीटें हासिल कीं। पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2,213 सीटों पर सिमट गई। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 497 और भारत आदिवासी पार्टी को 278 सीटें मिलीं। जिला परिषद की 1,275 सीटों में भी कांग्रेस ने 794 और भाजपा ने 357 सीटें हासिल कीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस को बहुमत मिला, जबकि भाजपा पांच जिलों में बहुमत हासिल कर सकी। आठ जिलों में निर्दलीय निर्णायक स्थिति में रहे।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा की चुनौती केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं रही। पश्चिमी राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की आरएलपी और आदिवासी क्षेत्रों में बीएपी की मौजूदगी ने यह दिखाया कि ग्रामीण राजनीति में स्थानीय नेतृत्व और क्षेत्रीय मुद्दों की अपनी ताकत है। वैसे भी पंचायत चुनावों में मतदाता केवल जयपुर या दिल्ली के राजनीतिक नारों पर नहीं, बल्कि अपने इलाके के प्रतिनिधियों और स्थानीय समस्याओं पर भी फैसला करते हैं।



साथ ही मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी आरएलपी के उम्मीदवारों की जीत ने इन चुनावों को और राजनीतिक महत्व दे दिया। देखा जाये तो भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राजस्थान में एक नया राजनीतिक प्रयोग किया था। पार्टी ने अनुभवी और स्थापित चेहरों के बजाय पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा को प्रदेश की कमान सौंपी थी। यह फैसला पूरी तरह केंद्रीय नेतृत्व का था और इसके पीछे संगठनात्मक तथा राजनीतिक रणनीति काम कर रही थी। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को साधने की थी। राजस्थान में भाजपा की राजनीति लंबे समय से वसुंधरा राजे के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। ऐसे में नए मुख्यमंत्री के लिए पुराने और वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना बेहद जरूरी था।

यहीं से सरकार और संगठन के भीतर समन्वय को लेकर सवाल उठने लगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अप्रैल 2025 में झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। उनका सवाल था कि जब जनता पानी के लिए परेशान है तो अधिकारी अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रहे हैं? यह केवल अधिकारियों के कामकाज पर नाराजगी नहीं थी, बल्कि सरकार के सामने खड़ी स्थानीय समस्याओं की गंभीरता को भी उजागर करता था।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का अपना जनाधार और राजनीतिक प्रभाव रहा है। ऐसे में उनकी सार्वजनिक नाराजगी को महज एक प्रशासनिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटनाक्रम इस सवाल को भी जन्म देता है कि क्या मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और सरकार के बीच ऐसा संवाद स्थापित कर पाए हैं, जिसमें स्थानीय स्तर पर उठने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके।

इसके अलावा, भजनलाल सरकार के शुरुआती कार्यकाल में ही कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा राजनीतिक चर्चा का बड़ा विषय बना था। लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया था। करीब दस महीने तक उन्होंने नियमित मंत्री की तरह कामकाज से दूरी बनाए रखी थी। इस दौरान उनके इस्तीफे की स्थिति, मंत्रिमंडल की बैठकों से उनकी अनुपस्थिति और विभागीय कामकाज को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। अप्रैल 2025 में केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने दोबारा मंत्री के रूप में कामकाज संभाला था। उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था और उन्हें फिर से जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा गया था।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम अपने आप में भाजपा सरकार के भीतर चल रही राजनीतिक असहजता का महत्वपूर्ण उदाहरण था। जिस मंत्रिमंडल को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एकजुट होकर काम करना चाहिए था, वहां एक वरिष्ठ मंत्री का इतने लंबे समय तक अलग-थलग रहना सरकार की कार्यशैली और आंतरिक समन्वय पर सवाल खड़े करता रहा। इसके अलावा जून 2025 में भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी सामने आई। पूर्व विधायकों, सांसदों और चुनाव लड़ चुके नेताओं ने अपनी समस्याएं और क्षेत्रीय कार्यों की अनदेखी को लेकर पार्टी नेतृत्व के सामने शिकायतें रखी थीं।

देखा जाये तो राजस्थान जैसे बड़े राज्य में पार्टी केवल दिल्ली के निर्देशों से नहीं चल सकती। यहां हर क्षेत्र की अपनी राजनीतिक परिस्थितियां हैं, अपने जातीय और सामाजिक समीकरण हैं और अपने प्रभावशाली नेता हैं। यदि प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं को ही अपनी बात रखने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का दरवाजा खटखटाना पड़े तो इसका असर सरकार और संगठन के जमीनी ढांचे पर पड़ना स्वाभाविक है। साथ ही चुनाव में सत्ता हासिल करने के लिए किए गए वादों का असली इम्तिहान सत्ता में आने के बाद होता है। राजस्थान में आम जनता के सामने आज भी महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े सवाल महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, किसानों की समस्याएं और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना राजनीतिक चर्चा के बड़े विषय बने हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के समय शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी शुरुआती दौर में भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति बनी। लाभार्थियों के बीच यह सवाल रहा कि पुरानी योजनाएं किस रूप में जारी रहेंगी, किन योजनाओं में बदलाव होगा और नई सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी? देखा जाये तो सरकार बदलने के बाद योजनाओं की समीक्षा और पुनर्गठन अपनी जगह है, लेकिन आम आदमी के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उसे मिलने वाली सुविधा बाधित न हो।

साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी भर्तियां और रोजगार के अवसर, अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, ग्रामीण इलाकों में पेयजल की उपलब्धता और किसानों की समस्याओं का समाधान ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन होता है। केवल घोषणाओं और बजट प्रावधानों से जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं। उसका सीधा संबंध जमीन पर मिलने वाली सुविधाओं से है।

देखा जाये तो राजस्थान में पंचायत चुनावों का परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां गांवों का राजनीतिक संदेश सीधे प्रदेश की सत्ता और संगठन के कामकाज से जुड़ता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़े नेताओं के चेहरे तथा राष्ट्रीय मुद्दे प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन पंचायत चुनावों में स्थानीय संपर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और क्षेत्रीय समस्याएं निर्णायक भूमिका निभाती हैं। कांग्रेस का 23 जिलों में बहुमत हासिल करना और भाजपा का केवल पांच जिलों में सिमटना प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम है। जिला परिषदों में कांग्रेस की 794 और भाजपा की 357 सीटों का अंतर भी इस चुनावी तस्वीर को स्पष्ट करता है।

ऐसे में भजनलाल शर्मा के सामने चुनौती केवल पंचायत चुनावों के परिणामों की समीक्षा करने की नहीं है। सवाल यह है कि सरकार और संगठन के बीच वह राजनीतिक तालमेल कैसे बनेगा, जिसकी कमी की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। वसुंधरा राजे जैसे वरिष्ठ नेताओं की सार्वजनिक नाराजगी, किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे वाला लंबा प्रकरण और कार्यकर्ताओं की शिकायतें अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इन्हें एक साथ देखने पर प्रदेश भाजपा के भीतर समन्वय की चुनौती सामने आती है।

देखा जाये तो राजस्थान में सत्ता की राजनीति केवल जयपुर के सचिवालय और दिल्ली के पार्टी मुख्यालय से नहीं चलती। उसकी असली परीक्षा गांवों की चौपाल, किसानों के खेत, कस्बों के बाजार और आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं के बीच होती है। लोकसभा चुनाव के बाद शहरी निकायों और अब पंचायत चुनावों के नतीजों ने भाजपा के सामने लगातार राजनीतिक सवाल खड़े किए हैं।

बहरहाल, पंचायत चुनावों का जनादेश इस बात का संकेत है कि राजस्थान में भाजपा के सामने केवल विपक्ष की चुनौती नहीं है, बल्कि अपने संगठन, अपने नेताओं और अपने जमीनी जनाधार को साथ लेकर चलने की भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठना लाजिमी है कि कहीं सरकार और संगठन, दोनों स्तरों पर अपेक्षित परिणाम देने में नाकाम रहने वाले भजनलाल शर्मा की जगह भाजपा नेतृत्व किसी दूसरे चेहरे को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला न कर ले। आखिरकार, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी चुनावी नतीजों और सरकार के प्रदर्शन को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकता।

कोटद्वार पहुंचे शव, परिजनों में मची चीख-पुकार

गुजरात में सड़क दुर्घटना में हुई थी सात लोगों की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुजरात के कच्छ में हुए भीषण सड़क हादसे ने कोटद्वार के तीन परिवारों को ऐसा जख्म दिया है, जिसे भर पाना आसान नहीं होगा। हादसे में जान गंवाने वाले सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों के पार्थिव शरीर सोमवार तड़के सेना के वाहनों से कोटद्वार के कौड़िया स्थित सेना कैंप लाए गए। यहां से तिरंगे में लिपटे सैनिकों के पार्थिव शरीर और उनके परिजनों के शव सैन्य सम्मान के साथ उनके आवासों तक पहुंचाए गए। घरों में अपनों के शव पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। परिजन शवों से लिपटकर बिलख पड़े। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। द्वितीय गढ़वाल राइफल्स में तैनात नायक सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता नेगी (30) और तीन माह की मासूम बेटी शिविका के पार्थिव शरीर पदमपुर सुखरो के ध्रुवपुर स्थित उनके आवास पर पहुंचाए गए। यहां गढ़वाल राइफल्स के जवानों ने उन्हें सलामी दी। जैसे ही तीनों के शव मोहल्ले में पहुंचे, वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। परिजनों का विलाप



कोटद्वार में सैन्य सम्मान के साथ मृतकों को अंतिम विदाई देते सैन्य अधिकारी

सुनकर हर किसी का कलेजा भर आया। जिस घर में कुछ दिन पहले तक खुशियां थीं, वहां एक साथ तीन अर्थियां पहुंचने से माहौल गमगीन हो गया। वहीं, नायक नितिन गुसाईं की पत्नी रिंकी गुसाईं (30) और चार वर्षीय बेटी वामिका के शव मोटाढाक के शिवराजपुर स्थित आवास पर पहुंचाए गए। मां और बेटी के शव देखते ही परिजन फफक पड़े। परिवार के सदस्यों को रोता-बिलखता देख गांव के लोग भी अपने आंसू नहीं रोक पाए। हादसे में द्वितीय गढ़वाल राइफल्स में तैनात नायक राजेश सिंह रावत (34) और उनकी आठ वर्षीय बेटी रक्षिता की भी जान चली गई। सेना के जवान उनके पार्थिव शरीर लेकर सिमलचौड़ स्थित आवास पहुंचे तो वहां भी चीख-पुकार मच गई। हर कोई इस हृदयविदारक घटना से स्तब्ध नजर आया। सभी शवों का सैन्य सम्मान के साथ मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने की सरकार के खिलाफ नारेबाजी

पुरोला। लंबित मांगों के समाधान की मांग के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को लगातार 11वें दिन भी पुरोला और मोरी तहसील परिसर में कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर आक्रोश जताया और मांगों पर ठोस निर्णय होने तक आंदोलन जारी रखने का एलान किया। धरने पर बैठी कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि केवल आश्वासन से अब आंदोलन समाप्त नहीं होगा। जब तक मांगों का समाधान नहीं होता तब तक कार्यबहिष्कार और अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। मोरी तहसील परिसर में ब्लॉक अध्यक्ष मेनका चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की। उन्होंने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में कोटद्वार की बालिकाएं दिखाएंगी प्रतिभा



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कोटद्वार की पांच बालिकाएं राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी। बालिकाओं के चयन पर पौड़ी हैंडबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त करते हुए छात्राओं से प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की है।

पौड़ी हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव यशदीप सिंह ने बताया कि कोटद्वार की पांच बालिकाएं जूनियर बालिका वर्ग की राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी, जो कि 25 से 28 नवंबर तक संगरूर पंजाब में आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि बच्चों की इस सफलता का श्रेय बच्चों के माता-पिता व कोच रमनदीप सिंह को जाता है, जो कि पिछले तीन वर्षों से बालिकाओं को तैयारी करवा रहे है। चयनित बालिकाओं में इशिता, रिया, जिया, अंशिका, रितु शामिल है।

कांग्रेसियों ने सीईओ कार्यालय का किया घेराव, बीईओ के निलंबन की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बीते रविवार को राजकीय इंटर कॉलेज तिरपालीसैंण में प्रस्तावित स्वास्थ्य शिविर को राजनीतिक दबाव के कारण स्थगित करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी थलीसैंण के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी के निलंबन और शिविर स्थगित करने वाले का नाम सार्वजनिक करने की मांग की। सोमवार कांग्रेस कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष विनोद नेगी और प्रदेश प्रवक्ता राजेश चमोली की अगुवाई में शिक्षा विभाग कार्यालय पहुंचे। उन्होंने सीईओ दफ्तर का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। विभाग में अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर कांग्रेस ने कड़ी निंदा की। कहा कि हफ्ते के पहले दिन ही विभाग में कोई जिम्मेदारी अधिकारी भी नहीं बैठा है। प्रदेश प्रवक्ता राजेश चमोली ने बताया कि बीते रविवार को जिला पंचायत सदस्य नौड़ी सीमा



पंत चमोली और रोटरी क्लब के सहयोग से राजकीय इंटर कॉलेज तिरपालीसैंण में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर प्रस्तावित था, जिसमें श्रीनगर से 40 चिकित्सकों के साथ ही करीब आठ लाख रुपये की दवाएं निःशुल्क बांटी जानी थी। शिविर के लिए प्रशासन और विभाग ने अनुमति भी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शिविर से ठीक पहले राजनीतिक दबाव के कारण अनुमति निरस्त कर दी गई। इस मौके पर प्रमोद मंद्रवाल, मोहित सिंह, अनूप सिंह, गौरव सागर, आयुष आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को सिखाएं आग बुझाने के तरीके

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आग लगने की घटनाओं के दौरान सूझबूझ और सही जानकारी बड़े नुकसान को रोक सकती है। इसके लिए जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति को अग्निशमन उपकरणों के इस्तेमाल और आग बुझाने के प्राथमिक तरीकों की जानकारी हो। इसी उद्देश्य से मैरी किंडर गार्डन स्कूल, हल्दूखाता में अग्निशमन विभाग की ओर से जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों को आग से बचाव के उपायों के साथ ही अग्निशामक यंत्रों के संचालन का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रभारी अग्निशमन अधिकारी महताब अली के नेतृत्व में पहुंची टीम ने विद्यार्थियों को आग लगने के विभिन्न कारणों और उस पर काबू पाने के तरीकों की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लकड़ी, कागज



कोटद्वार में आयोजित कार्यशाला के दौरान बच्चों को जानकारी देते दमकल कर्मी

और कपड़े में लगी आग को पानी से बुझाया जा सकता है, जबकि बिजली के उपकरणों और पेट्रोल-डीजल जैसे ज्वलनशील पदार्थों में लगी आग पर पानी डालना खतरनाक हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों में रेत, मिट्टी और उपयुक्त अग्निशामक यंत्रों का इस्तेमाल करना चाहिए। बिजली से लगी आग पर काबू पाने के लिए सीओटू और ड्राई केमिकल पाउडर अग्निशामक यंत्रों की उपयोगिता भी बताई गई। अधिकारियों ने कहा कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अग्निशमन उपकरणों की जानकारी केवल कुछ लोगों तक सीमित न रहकर प्रत्येक परिवार और समुदाय तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से अग्नि सुरक्षा से जुड़ी जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील भी की।

संक्षिप्त समाचार

इसरार खान बनें प्रांतीय अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वन विभाग के राजकीय वाहन चालक संघ के अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें इसरार खान को प्रांतीय अध्यक्ष व नितिन कुमार को प्रांतीय मंत्री चुना गया।देहरादून के राजपुर रोड स्थित वन विभाग के मुख्यालय में राजकीय वाहन चालक संघ का 13वां अधिवेशन आयोजित किया गया। अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें इसरार खान को प्रांतीय अध्यक्ष व नितिन कुमार को प्रांतीय महामंत्री चुना गया। इसके अलावा कृष्ण कुमार को कोषाध्यक्ष, सुरेश चंद्र जोशी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुकेश कुमार को गढ़वाल मंडल का उपाध्यक्ष व भूपेश जोशी को कुमाऊं मंडल का उपाध्यक्ष चुना गया। हिम्मत सिंह भंडारी को संप्रेक्षक का दायित्व दिया गया।

मंत्री ने किया एसी मिनी बस सेवा का शुभारंभ

श्रीनगर गढ़वाल : दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों को अब एसी मिनी बस की सुविधा मिलेगी। सोमवार को रोडवेज बस अड्डे पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने परिवहन निगम की 17 सीटर एसी मिनी बस को हरी झंडी दिखाकर सेवा का शुभारंभ किया। इस सेवा से गढ़वाल विश्वविद्यालय, एनआईटी और मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ ही स्थानीय व्यापारियों और अन्य यात्रियों को राहत मिलेगी। बस श्रीनगर से प्रतिदिन सुबह 10 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी, जबकि रात 10 बजे दिल्ली से श्रीनगर के लिए चलेगी। दोनों शहरों के बीच बसों का संचालन रोटेशन के आधार पर किया जाएगा। रोडवेज डिपो प्रभारी अशोक काला ने बताया कि मंत्री के प्रयासों से श्रीनगर डिपो को दो टेंपो ट्रैवलर और चार नई बसें मिली हैं। सोमवार को मंत्री के समक्ष डिपो के लिए 10 और नई बसों की मांग रखी गई। इस पर मंत्री ने अधिकारियों से जल्द वार्ता कर श्रीनगर डिपो को हाइटेक बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि डिपो को गढ़वाल में अलग पहचान दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इस मौके पर यातायात अधीक्षक ललित भट्ट, यातायात निरीक्षक अजय गुप्ता, किशनलाल नवानी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। (एजेंसी)

नेटबॉल चैंपियनशिप में उत्तरकाशी का दबदबा

चिन्यालीसौड़। 10वीं उत्तराखंड राज्य स्तरीय सीनियर नेटबॉल चैंपियनशिप में उत्तरकाशी की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया और पुरुष व मिक्स्ड दोनों वर्गों में चैंपियन बना। वहीं महिला वर्ग में देहरादून की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर खिताब अपने नाम किया। नेटबॉल स्पोर्ट्स प्रमोशन एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों की टीमों ने प्रतिभाग किया। इसके साथ ही प्रथम उत्तराखंड राज्य स्तरीय सीनियर मिक्स्ड नेटबॉल चैंपियनशिप का भी आयोजन हुआ।

थानेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी मेले का आगाज



8 दंपति कर रही संतान प्राप्ति के लिए शिव अनुष्ठान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मनियारस्यूं पट्टी ग्राम थनूल स्थित प्राचीन मंदिर सिद्धपीठ थानेश्वर महादेव मंदिर में लगने वाला एक दिवसीय ऐतिहासिक बैकुंठ चतुर्दशी मेला शुरू हो गया है। प्रसिद्ध पौराणिक बैकुंठ चतुर्दशी मेला क्षेत्र का बहुत प्रसिद्ध और प्रसिद्ध मेलों में से एक है। सोमवार को ठंगरधार निवासी विशम्बर दत्त डुकलाण द्वारा भंडरे का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन सिंह रावत ने बताया कि बैकुंठ चतुर्दशी मेले के लिए थनूल गांव के अलावा स्थानीय गांवों के प्रवासी लोग विशेषकर मेले में गांव आते हैं। इन दिनों मंदिर के आस-पास के गांव डांगी, थनूल, किसमोलिया, ठंगरधार, चौंडली, जखनौली, अलासू, अमटोला, भटकोटी आदि गांव प्रमुख हैं। मेले में विशेषकर संतान प्राप्ति की चाहत रखने वाली निःसंतान दंपतियों की व्यवस्थाओं और उनकी सहूलियत के लिए मंदिर समिति और स्थानीय गांव थनूल की महिलाओं और थनूल गांव के प्रवासियों का अहम योगदान रहता है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता एवं मंदिर समिति के अध्यक्ष जगमोहन डांगी ने बताया कि इस वर्ष खड़दिया अनुष्ठान करने वाले 8 दंपति शिव अनुष्ठान कर रहे है।

कहा कि मेले की विशेषताएं रात्रि पांडव नृत्य, महिलाओं द्वारा रात्रि कीर्तन भजन किया जाता है। यह आयोजन संतान की चाहत रखने वाली निःसंतान दंपतियों का रात भर हाथ में दिया लेकर हौसला बढ़ाता है।

इस अवसर मंदिर समिति के अध्यक्ष जगमोहन डांगी, कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन सिंह रावत, उपाध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह रावत, रविंद्र रावत, बीरेंद्र सिंह नेगी, बीएस नयाल, नरेंद्र सिंह नेगी, विनोद रावत, महंत गंगा भारती महाराज, पंडित शिव प्रसाद कुकरेती, मुकेश नैथानी, ऋषिभलभ डुकलाण, सुशील कुकरेती, संदीप कुकरेती, पूर्व डीआईजी राकेश नेगी, ग्राम प्रधान ममता नेगी, महिला मंगल दल थनूल बसंती देवी आदि मौजूद थे।

जूनियर हाईस्कूल कोटी ढुंडसिर को जल्द मिलेगा नया भवन

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के राजकीय जूनियर हाईस्कूल कोटी ढुंडसिर के छात्र-छात्राओं को जल्द नया भवन मिल जाएगा। विद्यालय के नए भवन का निर्माण करीब 33 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। लंबे समय से विद्यालय भवन जर्जर होने के कारण छात्र-छात्राओं की कक्षाएं राजकीय प्राथमिक विद्यालय के भवन में संचालित की जा रही थीं। अब नए भवन का निर्माण होने से विद्यार्थियों और शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी।

दरअसल राजकीय जूनियर हाईस्कूल कोटी ढुंडसिर का पुराना भवन काफी समय से जर्जर स्थिति में था। विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए विद्यालय की कक्षाओं को राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट कर दिया गया था। वहीं इसी भवन में आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित हो रहा था। ऐसे में एक ही स्थान पर प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाईस्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन होने से सीमित स्थान के कारण पठन-पाठन की व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही थीं। अब करीब 33 लाख रुपये की लागत से नए भवन का निर्माण कराया जा रहा है। उम्मीद है कि नए शिक्षा सत्र से पहले भवन तैयार हो जाएगा और जूनियर हाईस्कूल की कक्षाओं का संचालन पहले की भांति अपने भवन में शुरू हो सकेगा। खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. यशवंत सिंह नेगी ने बताया कि विद्यालय का भवन काफी समय से जर्जर था। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कक्षाओं को प्राथमिक विद्यालय में संचालित कराया जा रहा था। नए भवन का निर्माण पूरा होने के बाद कक्षाएं वहां शिफ्ट कर दी जाएंगी। संबंधित कार्यदायी संस्था को जनवरी तक निर्माण कार्य पूरा करने का समय दिया गया है। (एजेंसी)

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे द्वारा दिनांक 27-10-2026 को अकृषिकीय भूमि मय भवन रकबा 221.18 वर्गमीटर / 0.022 है0 ग्राम हरिसिंहपुर, सुखरौ, कोटद्वार, गढ़वाल के खतौनी खाता संख्या 40 खेत संख्या 55/1, 58, 61ख में अपने पति श्री मुकेश कण्डवाल पुत्र श्री सदानन्द कण्डवाल से दान प्राप्त की गयी है जो सब-रजिस्ट्रार कार्यालय कोटद्वार के बही संख्या 1 जिल्द संख्या 3038 के पृष्ठ संख्या 165 से 192 पर क्रमांक 5243 में 28-10-2026 को दर्ज है। उक्त भूखण्ड श्री मुकेश कण्डवाल द्वारा श्री विद्यादत्त पुत्र स्व0 भोलादत्त से क्रय किया गया था जो सब-रजिस्ट्रार कार्यालय कोटद्वार के बही संख्या 1 जिल्द संख्या 444 के पृष्ठ सं0 147 से 158 पर क्रमांक 2081 में 27-12-2004 को दर्ज है। उपरोक्त दोनों दिनांकों को पंजीकृत दस्तावेजों में से मूल पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 27-12-2004 जो मुकेश कण्डवाल के नाम पर था मुझसे कहीं खो गया है जो काफी खोजबीन करने के बावजूद नहीं मिल पा रहा है। मुझे उक्त पंजीकृत मूल विक्रयपत्र दिनांक 27-12-2004 की आवश्यकता है। उपरोक्त खो गए विक्रय पत्र दिनांक 27-12-2004 का कोई भी इस्तेमाल सरासर गैर-कानूनी होगा जिसके लिए मैं हमेशा जिम्मेदार रहूँगी तथा यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 27-12-2004 मिलता है तो वह तुरन्त मुझे उपलब्ध करवा दे।

मीनाक्षी पत्नी श्री मुकेश कण्डवाल निवासी कौड़िया, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, मो0 9756563566।
(0635/21)

जनता बना चुकी प्रदेश में बदलाव का मन : जोशी

श्रीनगर गढ़वाल : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव महेश जोशी ने प्रदेश सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे जनहित के मुद्दों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनकी ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि सरकारी विभागों में पद रिक्त होने के बावजूद नियमित नियुक्तियां नहीं हो रही हैं।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SGC025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा शुद्धि सूचना

विद्युत वितरण खण्ड कोटद्वार के पत्रांक 3118/विविखको/टी–6 दि 18.11.2026 के माध्यम से समाचार पत्र अमर उजाला, दैनिक जागरण एवं दैनिक जयन्त में प्रकाशित निविदा सं० 24/26–27 से 27/26–27 के प्रपत्र क्रय की तिथि त्रुटिवश दिनांक 24.06.2026 प्रकाशित हुयी है अतः प्रपत्रों की क्रय की दिनांक 24.06.2026 के स्थान पर दिनांक 08.12.2026 समझा या पढा जायें। अन्य शर्ते पूर्ववत है।

पत्रांक : 3148/विविखको/टी–6 दिनांक : 23.11.2026 अधिशासी अभियन्ता

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

कार्यालय- नगर पालिका परिषद् दुगड्डा, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांकः- 943 /को0सू0/2026-27 दिनांकः- 23/11/2026

कोटेशन आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद, दुगड्डा द्वारा निम्न निर्माण कार्य हेतु पालिका के पंजीकृत ठेकेदारों से उनके लैटर पैड पर सीलबन्द कोटेशन दिनांक 30/11/26 को अपराहन 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो तद्दिनांक को ही अपराहन 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। कोटेशन के साथ निम्नानुसार धरोहर धनराशि एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0/सी0डी0आर0 बतौर जमानत राशि के रूप में जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, दुगड्डा के नाम बन्धक हो, लगाया जाना आवश्यक है। कोटेशन के साथ रू0 100/का स्टाम्प पेपर रसीदी टिकट लगा संलग्न करना अनिवार्य है। सशर्त एवं कालातीत कोटेशन स्वीकार नहीं की जायेंगी। प्राप्त कोटेशनों को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। कोटेशन तिथि को अवकाश होने की दशा में अगले कार्य दिवस को कोटेशन तिथि मानी जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	मद का नाम	कार्य की लागत	धरोहर राशि 3%	कार्य पूर्ण तिथि
1	नगर पालिका परिषद् दुगड्डा के वार्ड नं0 4 में ध्यान योग केन्द्र के दरवाजे, खिडकी व धर्मकांटा हेतु केबिन का कार्य।	राज्य वित्त	1.98 लाख	5950	30 दिन
2	वार्ड नं0 2 में महेन्द्र सिंह के घर के पास से अमोली जी के घर के पास तक नाली मरम्मत, सुरक्षा दीवार व सी0सी0 कार्य।		1.51 लाख	4550	30 दिन
3	वार्ड संख्या 02 में इन्द्र राणा भवन के पास पालिका भूमि पर तारबाड का कार्य।		1.35 लाख	4100	30 दिन

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद्, दुगड्डा

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद्, दुगड्डा

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	266-DRM-MB-26-27 Dt. 23.11.2026	267-DRM-MB-26-27 Dt. 23.11.2026	268-DRM-MB-26-27 Dt. 23.11.2026
कार्य का नाम	Raising of the existing PF-1 & PF-2/3 to High Level PF's and civil work in connection with FOB with ramps at Rahimabad station under ADEN/HRI-I.	Raising of the existing PF-1 & PF-2/3 to High Level PF's and civil work in connection with FOB with ramps at Kakori station under ADEN/HRI-I.	Raising of the existing PF-1 & PF-2/3 to High Level PF's and civil work in connection with FOB with ramps at Malihabad station under ADEN/HRI-I.
टेंडर क्लोसिंग दिनांक/समय	18.12.2026 16:00 Hrs.	18.12.2026 16:00 Hrs.	18.12.2026 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	5,00,01,276.36	5,02,56,876.88	5,01,33,013.64
धरोहर राशि (रु.)	10,00,000.00	10,05,100.00	10,02,700.00
टेन्डर कॉस्ट	0.00	0.00	0.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	04.12.2026	04.12.2026	04.12.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह	06 माह

नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 23.11.2026 4082/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पीआरडी स्वयं सेवकों ने कार्यालय में तालाबंदी कर शुरू किया कार्य बहिष्कार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला मुख्यालय स्थित जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल कार्यालय में पीआरडी स्वयं सेवकों ने तालाबंदी कर जमकर प्रदर्शन किया। साथ ही अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार भी शुरु कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास कूच में स्वयं सेवकों पर लाठीचार्ज किए जाने पर रोष व्यक्त किया।

सोमवार को पीआरडी स्वयं सेवक विकास भवन परिसर में एकत्रित हुए। जहां उन्होंने विभागीय कार्यालय में तालाबंदी कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष ललित सिंह व प्रदेश उपाध्यक्ष संपूर्ण सिंह ने कहा कि पीआरडी स्वयं सेवकों को होमगार्ड की तर्ज पर समान कार्य समान वेतन और 365 दिन रोजगार दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

लेकिन सरकार उनकी मांगों को लगातार नजरंदाज कर रही है। कहा कि पीआरडी को 300 दिनों का रोजगार दिए जाने की घोषणा सीएम कर चुके हैं। बावजूद इसके घोषणा पर भी अमल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि दो सूत्रीय मांगों का समाधान नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। पदाधिकारी सभी विभागों में जाकर पीआरडी स्वयं सेवकों से आंदोलन में प्रतिभाग करने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस मौके पर सचिव प्रवीण थपलियाल, अभिषेक, प्रमोद कुमार, दिगंबर नौटियाल, अजय कुमार, उर्मिला, शोभा, रेखा आदि मौजूद रहे।

मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के संवाहक : धामी

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने किया बैकुंठ चतुर्दशी मेले का शुभारंभ



श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर का बैकुंठ चतुर्दशी मेला धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक रंगों से भी सराबोर रहेगा। इस बीच कमलेश्वर महादेव मंदिर की ऐतिहासिक धरोहर भी लोगों का ध्यान खींच रही है, जहां करीब 40 चरण पादुकाओं में महंत परंपरा की स्मृतियां संरक्षित हैं। गढ़वाल की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से जुड़े बैकुंठ चतुर्दशी मेले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने आवास विकास मैदान में लगी विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टालों पर पहुंचकर संचालकों का उत्साहवर्धन किया। एक स्टॉल पर उन्होंने नमक भी पीसा।

बैकुंठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी का सोमवार से आगाज हो गया है। दस दिनों तक चलने वाले इस मेले में हर दिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताएं भी होंगी। मेले के शुभारंभ पर पहुंचे मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि विकास कार्यों से श्रीनगर को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने पौराणिक मेले के आयोजन में सरकार की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजना पर काम चल रहा है। वहीं, लगभग 200 करोड़ रुपये की सीवर लाइन परियोजना की डीपीआर तैयार हो चुकी है और इसका कार्य अंतिम चरण में है। उन्होंने श्रीनगर में एसी बस सेवा, पासपोर्ट कार्यालय और आईएएस-पीसीएस परीक्षाओं के आयोजन को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सुविधाएं बताया। साथ ही सरकारी डिग्री कॉलेज खोलने की दिशा में प्रयास करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने पौराणिक मेले के महत्व पर कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के संवाहक हैं। इनके माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बाजार मिलता है और लोगों को आपस में मिलने-जुलने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि मेले को सरकार की ओर से सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत, मठ--ंदिरों और पारंपरिक आयोजनों को संरक्षित करना सरकार की प्राथमिकता है। (एजेंसी)

विपक्ष पर लगाया विकास कार्यों में अड़ंगा लगाने का आरोप

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष की राजनीति झूठ और भ्रम पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान कांग्रेस सरकार के समय हुए मुजफ्फरनगर कांड को प्रदेश की जनता आज भी नहीं भूली है। उन्होंने विपक्ष पर विकास कार्यों में अड़ंगा लगाने और स्तरहीन राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनसेवा करना और उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है।

धारी देवी मंदिर के समीप हाईटेक घाट का होगा निर्माण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि श्रीनगर क्षेत्र में पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेज, बालक छात्रावास, रेलवे स्टेशन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को गति दी जा रही है। रेलवे परियोजना के तहत 12 स्टेशनों पर क्षेत्रवासियों को सुविधाएं मिलेंगी। श्रीनगर से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। धारी देवी मंदिर के समीप हाईटेक घाट का निर्माण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीनगर को साइंस सिटी के रूप में विकसित करने के लिए यूकॉस्ट को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे, जिससे विज्ञान और तकनीक को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास योजनाओं को समय पर पूरा कर जनता को उनका लाभ पहुंचाना है। इसके लिए जनता का सहयोग जरूरी है।

सीएम ने किया भगवान कमलेश्वर का जलाभिषेक

बैकुंठ चतुर्दशी के पर्व पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कमलेश्वर मंदिर पहुंचे। यहां महंत श्री108 आशुतोष पूरी जी महाराज ने मुख्यमंत्री के हाथों भगवान कमलेश्वर की पूजा कराई। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भगवान कमलेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। कमलेश्वर मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटी है। भक्तजन अपने आराध्य जलाभिषेक कर रहे हैं। साथ ही रुई भी अर्पित कर रहे हैं। महंत आशुतोष पूरी जी महाराज ने बताया कि बैकुंठ चतुर्दशी पर अनुष्ठान के तहत रात्रि 12 बजे रात्रि तक भक्त अपने भगवान को 365 रुई की बाती और जलाभिषेक कर सकते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति की मौत

जखोली। क्षेत्र के जखोली गांव में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जखोली गांव निवासी खुशाल सिंह चौहान (55) का शव सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे अपनी गोशाला के समीप एक पेड़ से लटका मिला। परिजन गोशाला के पास पहुंचे तब इसका पता चला। शोर सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जखोली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि उसे आत्महत्या की है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। मृतक खुशाल सिंह चौहान खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं।

रात में क्रशर संचालन पर भड़के ग्रामीण, पांच उपखनिज लदे ट्रक पकड़े



गोपेश्वर। नीती घाटी के लाता गांव में रात के समय क्रशर मशीन का संचालन और खनन किए जाने पर स्थानीय लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने इस संबंध में जिला खान अधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। विरोध के चलते ग्रामीणों ने क्रशर से निकली सामग्री को भी मौके से बाहर नहीं जाने दिया। वहीं, मामला बढ़ने पर वन विभाग की टीम ने उपखनिज से भरे पांच ट्रकों को पकड़ लिया।

जिला खान अधिकारी अंकित चंद्र ने बताया कि मामले में क्रशर संचालक को नोटिस जारी किया जाएगा। क्रशर परिसर में जेसीबी के संचालन की अनुमति निरस्त करने के लिए उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ को आख्या भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब वह स्वयं मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे। साथ ही क्रशर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी ताकि रात में संचालन और खनन की स्थिति स्पष्ट हो सके।

यात्रा अवधि में बेकरी से सोहन सिंह ने कमाया तीन लाख का मुनाफा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा में इस वर्ष स्थानीय कारोबारियों को अच्छा लाभ मिला है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ी संख्या का फायदा छोटे कारोबारियों को मिला है। उन्हीं में से एक जनपद के बेकरी संचालक सोहन सिंह बिष्ट ने बताया कि यात्रा अवधि में उनकी बेकरी को तीन लाख रुपये का मुनाफा हुआ है। सोहन सिंह बिष्ट ने प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत बेकरी यूनिट शुरू की थी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यात्रा के दौरान बेकरी उत्पादों की मांग बढ़ी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने और बाजार में कारोबार बढ़ने से बिक्री अच्छी रही। उन्होंने बताया कि बेकरी के संचालन से अन्य लोगों को भी काम दे रहे हैं। वह अपनी यूनिट में आठ से दस लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं। सोहन सिंह ने कहा कि यात्रा के बेहतर संचालन से स्थानीय व्यापारियों को लाभ मिला है। साथ ही होटल, रेस्टोरेंट, होमस्टे, परिवहन और अन्य छोटे कारोबारों को भी यात्रा से फायदा हुआ है।

कबड्डी में युवा मंडल सावन, खो-खो में युवा मंडल बलभद्रपुर रहा विजेता

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मेरा युवा भारत, पौड़ी गढ़वाल द्वारा विकासखंड दुगड्डा के खेल मैदान मोटाढांक में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विकासखण्ड जौनपुर, लालडांग, कलालघाटी, मोटाढ़ाक आदि युवा मण्डलों ने प्रतिभाग किया। विजेता टीमों को मेडल, उपहार तथा प्रमाण पत्र देकर पुरूस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालयए ग्रेटर नोएडा के सहायक प्रोफेसर डॉ. विभावरी ने युवाओं को खेल के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धा एक ऐसा आयोजन है जिसमें स्थानीय स्तर पर खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। यह प्रतिस्पर्धा न केवल खिलाड़ियों को अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को विकसित करने में मदद करती है, बल्कि यह उन्हें टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना के महत्व को भी सिखाती है। ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धा के माध्यम से हम न केवल



अपने क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को पहचान सकते हैं, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी कर सकते हैं। साथ ही संसाधन व्यक्ति, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन कोटद्वार के डॉ. प्रियंवद ने बताया कि यह आयोजन हमारे क्षेत्र के युवाओं को एक मंच प्रदान करता है जहाँ वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। पुरुष वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में युवा मंडल सावन क्लब ने युवा मंडल भाबर को परास्त कर जीत अपने नाम की। महिला वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता में युवा मंडल बलभद्रपुर ने युवा मंडल हल्दुखाता को हराकर जीत अपने नाम की। दौड़ प्रतियोगिता महिला वर्ग में काजल प्रथम, सलोनी द्वितीय, रितिका तृतीय स्थान पर रही। दौड़ प्रतियोगिता पुरूष वर्ग में आशीष, वंश, अक्षित, लंबी कूद प्रतियोगिता पुरूष वर्ग में कार्तिक, आशीष, अखिलेश, महिला वर्ग में काजल, शिवानी, अंकिता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका में व्यायाम शिक्षक विनित कुमार, आकाश भट्ट, जतिन रावत एवं काजल रहे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवी गौतम, हिमांशु ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवी शिवम नेगी, दीपक कोटनाला, रक्षा गौर आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सूर्यप्रयाग घाट पर एक साथ जली तीन चिताएं

जखोली। कुरछोला से जखनोली जा रही बरात के वाहन हादसे में चालक विजय सिंह पंवार, बसन्ती देवी और सुनीता देवी की मौत हो गई थी। सोमवार को जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में पोस्टमार्टम के बाद तीनों का सूर्यप्रयाग घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। घाट पर एक साथ जलती तीन चिताओं को देखकर हर कोई रोता रहा।

मृतका बसंती देवी के चार और सुनीता देवी के तीन बच्चे हैं। हादसे से दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अंतिम संस्कार के दौरान दीपक पंवार, अर्जुन सिंह गहरवार, ओमप्रकाश बहुगुणा, नरेश भट्ट सहित कुरछोला और तैला के ग्रामीण मौजूद रहे। पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख नागेंद्र पंवार ने कहा कि दुर्घटनास्थल पर सुरक्षा इंतजाम करने की मांग बीडीसी बैठक, जनता दरबार और तहसील दिवस में उठाई गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मयाली-गुप्तकाशी मोटरमार्ग के संवेदनशील स्थानों पर ऋश बैरियर लगाने और क्षतिग्रस्त पुश्तों की मरम्मत कराने की मांग की। जिला पंचायत सदस्य निर्मला बहुगुणा ने बताया कि इस स्थान पर पहले भी बाइक दुर्घटना हो चुकी है। उन्होंने विभाग से ग्रामीण सड़कों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की।

अनिश्चितकालीन कार्यबहिष्कार पर गए पीआरडी जवान

रुद्रप्रयाग। होमगार्ड की तर्ज पर मूल वेतन के साथ महंगाई भत्ता देने, वर्षभर 365 दिन रोजगार उपलब्ध कराने की मांग के लिए जनपद के पीआरडी जवानों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू हो गया है। पीआरडी हित संगठन के जिलाध्यक्ष भरत बैरवाण, जिला उपाध्यक्ष प्रेम भेतवाल और कोषाध्यक्ष सुनील बैरवाण ने बताया कि जवान लंबे समय से मांगों के लिए शासन-प्रशासन से मांग कर रहे हैं लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

उन्होंने बताया कि सभी विभाग अपनी वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें इसके लिए प्रांतीय रक्षक दल संगठन की ओर से जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्य बहिष्कार के निर्णय की सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की जाती कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। इस दौरान पवन कुमार नवीन मैठाणी, दरम्यान, जसपाल, हरीश लाल, मनोज गैरोला, नीरज नौटियाल, प्रकाश धनाई, भुवनेश और दीपक गोस्वामी सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत पीआरडी स्वयंसेवक मौजूद रहे।

40,781 किसानों को मिल रही आर्थिक मदद

रुद्रप्रयाग। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले के 40,781 किसानों को आर्थिक सहायता मिल रही है। योजना में पात्र किसानों को हर साल छह हजार रुपये दिए जाते हैं। यह राशि दो-दो हजार रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खातों में भेजी जाती है। किसान इस धनराशि का उपयोग खेती के लिए जरूरी सामान खरीदने में कर रहे हैं।

मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट ने बताया कि जिले में 40 हजार से अधिक किसान योजना का लाभ ले रहे हैं। सम्मान निधि से किसान बीज, खाद, कीटनाशक और अन्य कृषि सामग्री खरीद रहे हैं। इससे बुवाई, फसल की देखभाल और दूसरे कृषि कार्यों के दौरान होने वाले खर्चों को पूरा करने में मदद मिल रही है। खासकर छोटे और सीमांत किसानों को इससे राहत मिलती है। उन्होंने बताया कि खेती में समय-समय पर खाद, बीज और अन्य जरूरी संसाधनों की जरूरत पड़ती है। ऐसे में योजना के तहत मिलने वाली राशि किसानों के काम आती है। इससे उन्हें कृषि कार्यों के लिए जरूरी सामान जुटाने में कुछ आर्थिक सहारा मिलता है।

सर्दी में बढ़े अस्थमा, खांसी और जुकाम के मरीज



नई टिहरी। मौसम में हो रहे बदलाव के कारण सर्दी-जुकाम के मरीज भी बढ़ने लगे हैं। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मरीजों को अपने नजदीकी अस्पताल में डॉक्टर से जांच करानी चाहिए जिससे उन्हें समय पर उपचार मिल सके। अभी यहां बौराड़ी जिला अस्पताल में प्रतिदिन पहुंचने वाले मरीजों की संख्या पहले से ज्यादा करीब 40 तक पहुंच गई है।

सर्दी का मौसम शुरू हो गया है। अभी सुबह-शाम ज्यादा ठंड महसूस की जा रही है। इस मौसम में अस्थमा, खांसी और जुकाम होने लगता है। खासकर बच्चे और बुजुर्गों को ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिला अस्पताल बौराड़ी में पहले सामान्य के दिनों में जहां 20-25 मरीज पहुंच रहे थे वहीं वह इन दिनों बढ़कर 40-45 हो गए हैं। चिकित्सक ने हृदय रोगियों को भी विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिला अस्पताल बौराड़ी के सीएमएस डॉ.भागीरथी गर्ब्याल का कहना है कि सर्दी के मौसम में खांसी-जुकाम के मरीज बढ़ जाते हैं। बीमारी से बचने के लिए सभी लोग गरम कपड़े पहने, गुनगुना पानी पिएं, फास्ट फूड खाने से बचें और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पौष्टिक भोजन खाएं। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

स्वगणना प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यशाला हुई

गुप्तकाशी। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत स्वगणना को लेकर सोमवार को गंगाधर मैठाणी राजकीय महाविद्यालय विद्यापीठ में प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पंकज भट्ट व प्रदीप कुमार बगवाड़ी ने प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं को स्वगणना की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने स्वगणना के उद्देश्य, इसकी उपयोगिता तथा निर्धारित प्रक्रिया के बारे में बताया और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. योगिशा, हितेंद्र शर्मा, डॉ. मो. शादाब आलम, डॉ. गंगा राम वैश्विक, डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र, डॉ. मनोरम मित्रा, मुकेश प्रसाद भट्ट आदि कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

अंतरराष्ट्रीय एंग्लिंग मीट प्रतियोगिता शुरू

नौगांव (उत्तरकाशी)। यमुना नदी में महाशीर मछली के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य विभाग ने बीट संख्या सात में अंतरराष्ट्रीय एंग्लिंग मीट प्रतियोगिता आयोजित की।

प्रतियोगिता में स्थानीय एंगलरों ने प्रतिभा दिखाई। आयोजन के जरिये यमुना को एंगलिंग पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख सरोज पंवार और जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन यमुना घाटी को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने में मददगार साबित हो सकते हैं। एंगलिंग पर्यटन से स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही जागरूकता बढ़ने से नदी में अवैध तरीके से मछलियों के शिकार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। सहायक मत्स्य निदेशक नितेश कुमार ने कहा कि एंगलिंग मीट का उद्देश्य महाशीर मछली के संरक्षण और नदी पर्यटन को प्रोत्साहित करना भी है। स्थानीय एंगलरों के बीच हुई प्रतियोगिता में विद्या लाल सौली ने प्रथम, रिखाऊंगांव के राकेश पंवार ने द्वितीय व शुभम सोलंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में महिला स्वयं सहायता समूहों को एंगलिंग रॉड और लाइफ जैकेट वितरित कर एंगलिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया।

मंदाकिनी नदी का स्नान घाट बदहाल



अगस्त्यमुनि। नगर पंचायत क्षेत्र में मंदाकिनी नदी पर बना स्नान घाट बदहाली बना है। स्नान पर घाट पर कई जगह टूट-फूट और आसपास फैली गंदगी से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घाट से जुड़े कमरों में भी सफाई व्यवस्था नहीं है। धार्मिक महत्व रखने वाले इस घाट की दुर्दशा से श्रद्धालुओं में नाराजगी है।

अगस्त्य मंदिर के मठाधीश योगेश बेंजवाल ने बताया कि प्रतिदिन भगवान अगस्त्य ऋषि के स्नान के लिए पहला जल मंदाकिनी नदी से इसी घाट के समीप से लाया जाता है। इस परंपरा के तहत पुजारी को नंगे पैर जल लेने पहुंचना पड़ता है लेकिन रास्ते की सफाई न होने और घाट की जर्जर स्थिति के कारण दिक्कतें हो रही हैं। स्थानीय निवासी पंकज सिंह ने बताया कि घाट की हालत लंबे समय से खस्ताहाल बनी हुई है। जगह-जगह टूट-फूट के साथ कमरों में गंदगी फैली है। इससे यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को निराश होकर लौटना पड़ता है। वहीं, नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी निकिता भट्ट ने बताया कि स्नान घाट का निर्माण नमामि गंगे परियोजना के तहत हुआ है और यह नगर पंचायत के अधीन नहीं है। उन्होंने बताया कि मंदाकिनी शरदोत्सव एवं कृषि औद्योगिक मेले और त्योहारों के चलते पर्यावरण मित्र व्यस्त थे जिस कारण सफाई प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया शीघ्र व समय-समय पर यहां पर सफाई कराई जाती है।

सीएचसी बेलेश्वर को उप जिला अस्पताल बनाने की मांग

घनसाली(टिहरी)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलेश्वर को उप जिला अस्पताल बनने की मांग के लिए क्षेत्र की जनता घनसाली तहसील पहुंची। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर शीघ्र सीएचसी को उप जिला अस्पताल बनने का शासनादेश जारी करने की मांग की। उन्होंने मांग पूरी न होने पर पांच दिसंबर से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी।

वरिष्ठ नागरिक समिति और जन संघर्ष मोर्चा घनसाली के पदाधिकारियों के नेतृत्व में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडल, युवाओं एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग घनसाली तहसील पहुंचे और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शासन-प्रशासन से शीघ्र सीएचसी बेलेश्वर को उप जिला अस्पताल बनने का शासनादेश जारी करने की मांग की। वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष चंदन सिंह पोखरियाल और जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अनुज लाल ने कहा कि गत वर्ष अस्पताल के उच्चीकरण की मांग को जन संघर्ष मोर्चा ने करीब दो माह तक आंदोलन किया। एक वर्ष बाद भी अस्पताल के उच्चीकरण का शासनादेश जारी नहीं हो पाया है। कहा कि भिलंगना जिले का सबसे बड़ा ब्लॉक है और 186 ग्राम पंचायतों के साथ प्रतापनगर विधानसभा की करीब 3 लाख से अधिक की आबादी इस अस्पताल के भरोसे है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र के मरीजों को 80 से 150 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल नई टिहरी, श्रीनगर,ऋषिकेश और देहरादून का रुख करना पड़ता है। सीएचसी बेलेश्वर में पर्याप्त भूमि, भवन होने के बाद भी उप जिला अस्पताल का दर्जा नहीं मिल पाया है। कहा कि क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा चारधाम यात्रा से जुड़ा होने के कारण यात्रा सीजन में श्रद्धालुओं को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाती है। कहा कि आगामी 4 दिसंबर तक अस्पताल को उप जिला अस्पताल बनने का शासनादेश जारी नहीं किया गया तो वह क्षेत्र की जनता के साथ धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे।

दीपों से जगमग हुआ कार्तिक स्वामी मंदिर

चोपता। ऊँच पर्वत पर स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर में सोमवार को देव दीपावली पर चार पहर की विशेष पूजा-अर्चना हुई। इस दौरान मंदिर को दीपों से सजाया गया। जागरण के साथ पूरी रात पूजा-अर्चना हुई। मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है।मंदिर समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने बताया कि मान्यता है कि निसंतान और नवविवाहित दंपती खड़े दीपों के साथ पूजा में शामिल होकर भगवान कार्तिकेय से मनोकामना मांगते हैं तो उनकी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। इस विशेष पूजा में हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। समिति के उपाध्यक्ष उत्तम राज नेगी ने बताया कि मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने गणेश और कार्तिकेय को ब्रह्मांड की परिक्रमा कर प्रथम पूजनीय होने की चुनौती दी थी। कार्तिकेय



अपने वाहन पर ब्रह्मांड की परिक्रमा करने निकल पड़े जबकि गणेश ने माता-पिता शिव-पार्वती की सात परिक्रमा कर उन्हें ही अपना संसार बताया। गणेश की बुद्धिमत्ता से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें प्रथम पूजनीय होने का वरदान दिया और कार्तिकेय ऊँच पर्वत पर चले गए। मान्यता है कि उन्हें मनाने के लिए इसी दिन 33 कोटि देवी-देवता धरती पर आए थे। इसी मान्यता के चलते इस दिन को देव दीपावली मनाई जाती है और कार्तिक स्वामी मंदिर में चार पहर की विशेष पूजा व दीपोत्सव आयोजित किया जाता है।

लंदन के व्यवसायी ने अटल उत्कृष्ट जीआईसी गुंदियाट गांव को लिया गोद

पुरोला। पहाड़ के एक छोटे से गांव के सरकारी स्कूल में अब पढ़ाई सिर्फ किताबों और ब्लैकबोर्ड तक सीमित नहीं रहेगी। यहां के बच्चे भी डिजिटल दुनिया से रूबरू होंगे और स्मार्ट बोर्ड पर देश-दुनिया को समझेंगे। वह कंप्यूटर के माध्यम से तकनीक की नई इबारत लिखेंगे। ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच डिजिटल दूरी मिटाने की इसी सोच के साथ लंदन के व्यवसायी एवं समाजसेवी राज भट्ट ने अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गुंदियाट गांव को गोद लिया है।

राज भट्ट ने विद्यालय को स्मार्ट बोर्ड और एक कंप्यूटर भेंट किया है। इतना ही नहीं उन्होंने विद्यालय को पांच और कंप्यूटर उपलब्ध कराने की घोषणा कर ग्रामीण बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थी अब कठिन विषयों को तस्वीरों, वीडियो और डिजिटल प्रस्तुतियों के जरिये आसानी से समझ सकेंगे। वहीं कंप्यूटर उपलब्ध होने से उन्हें डिजिटल साक्षरता, तकनीकी ज्ञान और भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार होने का अवसर मिलेगा। प्रधानाचार्य देवेंद्र सजवाण ने कहा कि यह सहयोग ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए बेहद प्रेरणादायी है।

संक्षिप्त समाचार

ड्रग कार्टेल का सरगना एल चापो इसिद्रो गिरफ्तार, सड़कों पर गिरोह के लोगों ने की गोलीबारी; 11 की मौत

सिनालोआ, एजेंसी। मैक्सिको के सिनालोआ राज्य में ड्रग कार्टेल के एक बड़े सरगना की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क उठी। शुक्रवार रात शुरू हुई गोलीबारी और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। मैक्सिको के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मारे गए लोगों में कार्टेल के सात संदिग्ध बंदूकधारी और चार सैनिक शामिल हैं। कार्टेल सरगना फॉस्तो इसिद्रो मेजा फ्लोरेस को 'एल चापो इसिद्रो' के नाम से जाना जाता है। वह एफबीआई की दस सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल था। अमेरिकी खुफिया जानकारी के आधार पर मैक्सिको के अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार किया। इस अभियान में मेजा फ्लोरेस समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया गया। मेजा फ्लोरेस बेल्ट्रान लेवा कार्टेल में ऊंचे पद तक पहुंचा था। बाद में उसने अपना अलग संगठन मेजा-फ्लोरेस ट्रांसनेशनल क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन बनाया। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर पांच मिलियन डॉलर के इनाम की घोषणा कर रखी थी। उस पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध रूप से हथियार रखने के आरोप थे।

फ्रांस में न्यूज चैनलों के खिलाफ गुस्सा दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप, चैनल बंद करने की मांग

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के प्रमुख न्यूज चैनल बीएफएम टीवी के न्यूजरूम में इन दिनों अजीब-सी बेचैनी का माहौल है। तकनीशियन थॉमस लियोनेटी और उनके 159 साथियों ने अपने ही प्रबंधन के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है। प्रबंधन को लिखे एक पत्र में इन कर्मचारियों ने कहा है कि चैनल पर जिस तरह दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे उन्हें अब बीएफएम टीवी में काम करने पर शर्म महसूस होती है। फ्रांस में पिछले दो महीनों से जारी छात्र आंदोलनों और हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच बीएफएफ के अलावा एक अन्य प्रमुख न्यूज सी-न्यूज भी सवालों के घेरे में है। विवाद इस कदर बढ़ चुका है कि 10 लाख से ज्यादा लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर फ्रांसीसी सरकार से सी-न्यूज का प्रसारण लाइसेंस रद्द करने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि चैनल नस्लवादी भाषा और दक्षिणपंथी दुष्प्रचार के जरिए नफरत फैला रहा है। हालांकि, फ्रांस की नेशनल असेंबली ने सी-न्यूज का लाइसेंस रद्द करने से इन्कार करते हुए कहा कि यह सांसदों का काम नहीं है, बल्कि इस पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस होगी। 2019 से अब तक फ्रांस के प्रसारण नियामक की ओर से सी-न्यूज को 20 बार चेतावनी या दंड दिया जा चुका है, जिसमें छह बार तो इसी साल कार्रवाई हुई है। जब फ्रांस में विरोध प्रदर्शन भड़के तो इन चैनलों ने जलती कारों, टूटे शीशों और तीखी टिप्पणियों का पुराना फॉर्मूला अपनाया। नतीजा यह हुआ कि जनता का गुस्सा अब खुद इन चैनलों की टीमों पर फूटने लगा है। इसी महीने ल्योन शहर में प्रदर्शन कवर कर रही बीएफएम की कैमरा टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। वहीं, ट्रैप्स उपनगर में शोक सभा के दौरान चैनल की टीम से बदसलूकी की गई।

बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान का हमला- पैट्रियट एयर डिफेंस रडार को बनाया निशाना, दी क्या चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से संयुक्त हमला किया। संगठन के मुताबिक, इस कार्रवाई में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े दो रडार को निशाना बनाया गया। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी पर प्रसारित बयान के अनुसार, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने बहरीन के अल-रिफा और अवाली सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इन ठिकानों पर अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े रडार तैनात हैं। आईआरजीसी ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी एमक्यू-1 और एमक्यू-9 ड्रोन की ओर से ईरानी हवाई क्षेत्र के कथित बार-बार उल्लंघन और ईरान के हेंगम द्वीप पर एक रडार प्रतिष्ठान पर हमले के जवाब में की गई। संगठन ने यह भी दावा किया कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य एस्कॉर्ट और हवाई सुरक्षा अभियान अपने उद्देश्यों को हासिल करने में नाकाम रहे। आईआरजीसी ने ईरान के हवाई क्षेत्र को रेड लाइन बताते हुए चेतावनी दी कि आगे किसी भी तरह की घुसपैठ होने पर कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

विमान में घुसे नकाबपोश अधिकारी, मां के सामने बेटी को ले गए; उड़ान में देरी, क्यों उठ रहे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को आव्रजन (इमिग्रेशन) अधिकारियों ने दो यात्रियों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। उन्होंने यात्रियों के विमान में सवार होने के दौरान यह कार्रवाई की। इससे वहां अफरातफरी मच गई। इस कारण लॉस एंजिलिस जाने वाली उड़ान में देरी हुई। एयरलाइन अधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने भी इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। यह घटना उस समय हुई, जब यात्री अलास्का एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1306 में सवार हो रहे थे। इस विमान को सुबह 8:10 बजे रवाना होना था। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अधिकारी जमीन पर गिरे एक व्यक्ति को काबू करने की कोशिश करते दिखे। इस दौरान आसपास यात्री अपना सामान लेकर खड़े थे। एक महिला चिल्ला रही थी कि अधिकारी उसकी बेटी को ले जा रहे हैं। उसने यह भी कहा कि उसकी बेटी के पास काम करने का परमिट है। एयरलाइन ने इस घटना को यात्रियों और कर्मचारियों के लिए परेशान करने वाला बताया। उसने कहा कि अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी के अधिकारियों ने इस कार्रवाई से पहले एयरलाइन को कोई जानकारी नहीं दी थी।

अमेरिकी एजेंसी ने क्या वजह बताई : अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी ने एक्स पर एक



बयान जारी किया। उसने बताया कि उसके अधिकारियों ने 21 नवंबर को सुबह करीब 8:05 बजे (स्थानीय समय) एक विशेष अभियान चलाया था। इस अभियान का मकसद रिकार्डो लारोंदो मेंडोजा को गिरफ्तार करना था। वह मेक्सिको का नागरिक है। एजेंसी के मुताबिक, वह अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रह रहा था। एजेंसी ने अपने बयान में कहा, 21 नवंबर, 2026 को सुबह करीब 8:05 बजे, एजेंसी के अधिकारियों ने रिकार्डो लारोंदो मेंडोजा को हिरासत में लेने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। वह मेक्सिको का एक अवैध प्रवासी है, जिसने हमारे देश के कानूनों का उल्लंघन करते हुए अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी यहां रहना जारी रखा। एजेंसी ने बताया कि इस दौरान एक अन्य यात्री सोफिया हर्नांडेज मेजिया को भी हिरासत में लिया गया। आरोप है कि उसने हंगामे के दौरान अधिकारियों पर गर्म कॉफी फेंकी थी। एजेंसी के मुताबिक, सोफिया मेक्सिको की नागरिक है। वह भी अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद अमेरिका में रह रही थी। उस पर एक संघीय अधिकारी पर हमला करने का आरोप लगाया जा सकता है।

अलास्का एयरलाइंस ने कार्रवाई पर क्या कहा : अलास्का एयरलाइंस ने इस कार्रवाई पर चिंता जताई। उसने कहा कि विमान में यात्रियों के सवार होने के दौरान यह कार्रवाई की गई। इससे पहले एयरलाइन को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई थी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, अलास्का की उड़ान संख्या 1306 में यात्रियों के सवार होने के दौरान आज सुबह हुई कानून लागू करने वाली एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर हम चिंतित हैं। एयरलाइन ने आगे कहा, हम इस बात को समझते हैं कि इस घटना से प्रभावित कर्मचारियों और यात्रियों को कितनी परेशानी हुई है। उसने दोहराया कि वह यात्रियों के साथ सम्मान और गरिमा से पेश आने के लिए प्रतिबद्ध है। एयरलाइन ने बताया कि वह सिएटल बंदरगाह प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही है। यही प्रशासन सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है। दोनों यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस कार्रवाई में तय नियमों का पालन किया गया था। एयरलाइन ने यह भी कहा कि उसने सीधे संबंधित अधिकारियों के सामने अपनी चिंता रखी है।

जानकारी के मुताबिक, इस घटना के बाद विमान की उड़ान में देरी हुई। वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने अधिकारियों की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने एजेंसी के तरीकों को अमेरिका के मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ बताया। साथ ही, उन्होंने इस एजेंसी को खत्म करने की भी मांग की। श्रमिक संगठनों के नेताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फर्ग्यूसन ने कहा, वीडियो खौफनाक है और इसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें ऐसी आव्रजन व्यवस्था और सीमा सुरक्षा की जरूरत है, जो प्रभावी, नैतिक और मानवीय हो। लेकिन यह एजेंसी ऐसी नहीं है। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बची है। फर्ग्यूसन ने यह भी कहा कि वह इस बात की जांच कर रहे हैं कि संघीय अधिकारियों को विमान में चढ़ने वाले रास्ते तक पहुंच कैसे मिली। उन्होंने आशंका जताई कि अधिकारियों ने मार्च में उनके हस्ताक्षर से बने एक राज्य कानून का उल्लंघन किया हो सकता है। यह कानून कानून लागू करने वाले अधिकारियों के चेहरे ढकने पर रोक लगाता है।

नई सरकार बनाने की कोशिशों को झटका? नेतन्याहू की पार्टी ने रखीं कई शर्तें; क्या मानेंगे विपक्षी नेता

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड ने कई शर्तें रखी हैं। ये शर्तें संभावित राष्ट्रीय एकता सरकार में शामिल होने के लिए हैं। पार्टी ने कहा है कि युद्ध के दौरान बनाए गए इस्राइली सुरक्षा क्षेत्र बने रहने चाहिए। ये सुरक्षा क्षेत्र गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया में बनाए गए हैं। लिकुड ने ये मांगें एक आधिकारिक दस्तावेज में रखी हैं। यह दस्तावेज उस समय सामने आया, जब गादी आइजेनकोट की पार्टी याशर ने शनिवार को लिकुड को बातचीत का न्योता दिया। याशर ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए गठबंधन की बातचीत शुरू करने को कहा। पार्टी ने इसे लंबी और लगातार चलने वाली बातचीत बताया। याशर ने कहा कि उसकी बातचीत करने वाली टीम हरसंभव रास्ता तलाशेगी। टीम बड़े कदम उठाएगी। वह ऐसा रास्ता खोजेगी, जिससे नई सरकार बनाने की दिशा में सफलता मिल सके। लिकुड की दूसरी शर्तें क्या हैं? लिकुड की प्रस्तावित शर्तों में कई और बातें शामिल हैं। लिकुड की मांग है कि इस्राइल को यहूदी लोगों का राष्ट्र माना जाए। वह फलस्तीनी राष्ट्र बनाने के प्रस्ताव को खारिज करती है। पार्टी यह भी चाहती है कि अति-रूढ़िवादी विचारों को मानने वाले यहूदी छात्रों की सैन्य सेवा को लेकर भी सहमति बने। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी। क्या हमास के हमले की जांच पर भी शर्त रखी गई है? इससे पहले लिकुड ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए एक और शर्त रखी थी। यह सरकार गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के साथ बननी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, लिकुड ने कहा था कि हमास के सात अक्तूबर, 2023 के हमले की जांच के लिए राज्य जांच आयोग नहीं बनाया जाना चाहिए। हमले के बाद से विपक्षी दल ऐसे आयोग की मांग कर रहे हैं। लेकिन नेतन्याहू के गठबंधन ने इस मांग को खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि ऐसा आयोग निष्पक्ष नहीं होगा। इस्राइल के सरकारी समाचार चैनल कान के मुताबिक, रविवार को दोनों दलों के नेताओं की बैठक होगी। इस बैठक में जांच आयोग बनाने की शर्त पर भी चर्चा हो सकती है। शिन्हुआ ने कान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी। लिकुड ने कान न्यूज से कहा कि बातचीत के दौरान अहम विवादों पर चर्चा होनी चाहिए। इनमें हमास के हमले की जांच के लिए आयोग बनाने का मुद्दा भी शामिल है। आइजेनकोट पहले सेना प्रमुख रह चुके हैं। उन्हें सरकार बनाने के लिए छह दिसंबर तक का समय मिला है। राष्ट्रपति उन्हें दो सप्ताह तक का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू के विरोधियों को संसद की कुल 120 सीटों में से 67 सीटें मिलीं।

जेलेंस्की की दो टूक, नाटो की सदस्यता ही यूक्रेन की मजबूत सुरक्षा; बोले- दो साल नहीं, हमेशा के लिए चाहिए गारंटी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दोहराया है कि देश की सुरक्षा की सबसे स्पष्ट गारंटी नाटो की सदस्यता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के इस सैन्य गठबंधन में शामिल होने से नाटो भी मजबूत होगा। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में उन्होंने बताया कि बर्लिन में कोएलिशन ऑफ द विलिंग यानी इच्छुक देशों के गठबंधन की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सहयोगी देश भी नाटो सदस्यता को सबसे प्रभावी विकल्प मानते हैं। जेलेंस्की ने नाटो के अनुच्छेद-5 जैसी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसी व्यवस्था कैसे काम करेगी। उन्होंने पूछा कि रूस के नए हमले की स्थिति में सहयोगी देश यूक्रेन की रक्षा के लिए कितने तैयार होंगे। उनके मुताबिक, किसी भी वैकल्पिक व्यवस्था में ठोस सैन्य प्रतिबद्धताएं जरूरी हैं। जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा गारंटी केवल बयानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इन्हें लिखित रूप में स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि संकट के समय सहयोगी देशों की जिम्मेदारियां तय रहें। उन्होंने जोर दिया कि यूक्रेन को ऐसी व्यवस्था चाहिए, जो हमले की स्थिति में उसकी रक्षा कर सके। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि सुरक्षा गारंटी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी प्रभावी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें दो साल के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए सुरक्षा गारंटी चाहिए। उनके अनुसार, अस्थायी व्यवस्था से स्थायी शांति सुनिश्चित नहीं हो सकती। जेलेंस्की ने दावा किया कि पुतिन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बदलने और दुनिया को प्रभाव क्षेत्रों में बांटने के अपने उद्देश्य में सफल नहीं हुए हैं। उन्होंने यूक्रेन पर रातभर में 111 मिसाइलों के हमले की आलोचना करते हुए रूस को निशाने पर लिया। जेलेंस्की ने ओलेशकी से नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद के लिए अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप का आभार जताया।

इमिग्रेशन सुधार पर रिपब्लिकन में रार; वेंस ने केविन स्टिट के द्विदलीय कानून के प्रस्ताव को ठुकराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टिट की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपने कार्यकाल के आखिरी दो वर्षों में आव्रजन (इमिग्रेशन) पर दोनों दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी) की सहमति से कानून बनाने का आग्रह किया था। वेंस ने चेतावनी दी कि ऐसा करने से उन लोगों को माफी (एमनेस्टी) मिल सकती है, जिन्होंने अमेरिकी आव्रजन नियमों का उल्लंघन किया है। यह मतभेद तब सामने आया, जब रिपब्लिकन पार्टी के ही सदस्य स्टिट ने ट्रंप से आव्रजन कानूनों पर डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने को कहा। उनका तर्क था कि वाशिंगटन में दोनों दलों के बीच गतिरोध के कारण इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है। 19 नवंबर को जवाब देते हुए वेंस



ने वीजा धोखाधड़ी और नियोक्ताओं द्वारा नियमों के उल्लंघन को रोकने के प्रयासों को उन प्रस्तावों से अलग बताया, जिनमें बिना वैध दस्तावेजों वाले प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की बात कही जाती है।

बड़ी कंपनियों और नियोक्ताओं पर सख्ती के पक्ष में वेंस : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए वेंस ने कहा कि वह ऐसी नीतियों का समर्थन करते हैं, जो बड़ी कंपनियों को वीजा प्रणाली का गलत फायदा उठाने और नियोक्ताओं को आव्रजन कानूनों का उल्लंघन करने से रोकें। हालांकि, उन्होंने स्टिट के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूछा कि दोनों दलों की सहमति से सुधार की वकालत करके वह वास्तव में क्या हासिल करना चाहते हैं। वेंस ने लिखा, बहुत से लोगों को यह उन लोगों को माफी देने की कोशिश जैसा लगता है, जिन्होंने हमारे कानूनों को तोड़ा है। यह नैतिक रूप से और चुनावी नजरिए से भी विनाशकारी होगा।

स्टिट ने ट्रंप को दी द्विदलीय पहल की सलाह : स्टिट ने यूटा में नेशनल गवर्नर्स एसोसिएशन के न्यू गवर्नर्स लीडरशिप फोरम के दौरान पोलिटिको से बातचीत में अपना प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अपने प्रशासन के आखिरी दो वर्षों का उपयोग आव्रजन प्रणाली में बड़े बदलावों के लिए रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स को एक साथ लाने में करना चाहिए। स्टिट ने कहा, यह इतना भी जटिल नहीं है। लेकिन समस्या वाशिंगटन, डीसी में है, जहां हर पक्ष को लगता है कि वे इस मुद्दे पर जीत रहे हैं। उन्होंने मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन की आशंका के लिए भी इसी मुद्दे से जुड़े राजनीतिक ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया। ओक्लाहोमा के गवर्नर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका को सुरक्षित सीमाओं, देश में आने वाले लोगों की स्पष्ट ट्रैकिंग और गहन पृष्ठभूमि जांच की जरूरत है। साथ ही, उन्होंने राज्य के नेताओं को श्रम की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक अधिकार देने की वकालत की। इसमें गवर्नरों को यह अधिकार देना भी शामिल है कि जब कोई व्यवसाय किसी कर्मचारी को प्रायोजित करे, तो वे उसे वर्क परमिट जारी कर सकें।

इंडोनेशिया की कैंडी फैक्टरी में भीषण आग, तीन की मौत; 36 कर्मचारी लापता, अपनों की तलाश में भटक रहे परिजन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के बैंटन प्रांत में शनिवार को एक कैंडी फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 36 कर्मचारी गायब हैं। बचाव दल उनकी तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आग बैंटन प्रांत के सेरांग जिले में स्थित पीटी फोनुसा अगुंग मुलिया फैक्टरी में लगी। यह इलाका राजधानी जकार्ता के पास है। यह फैक्टरी मिल्किटा नाम के ब्रांड की कैंडी और स्नैक्स बनाती है। ये उत्पाद दूध से तैयार किए जाते हैं।

कितने लोगों को बचाया गया: राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी ने एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक, फैक्टरी से 15 लोगों को जिंदा बचाया गया है। इनमें चार



घायल कर्मचारी भी शामिल हैं। वहीं, बचाव दल अब भी लापता 36 कर्मचारियों की तलाश कर रहे हैं।

बैंटन खोज और बचाव एजेंसी के संचालन अधिकारी रिज्की द्वियांतो ने बताया कि फैक्टरी के कई हिस्सों में अब भी आग लगी हुई है। उन्होंने कहा, कई जगहों पर आग अब भी जल रही है। दमकलकर्मी आग बुझाने के साथ ही प्रभावित जगहों को ठंडा करने में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के 12 घंटे से ज्यादा समय बाद भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुटे थे। सेरांग जिले और बैंटन प्रांत की दमकल टीमें फैक्टरी के अलग-अलग हिस्सों में आग बुझा रही थीं।

आग के बाद फैक्टरी में कैसा था मंजर : टेलीविजन पर दिखाई गई तस्वीरों में तीन मंजिला फैक्टरी आग की लपटों से घिरी नजर आई। आसमान में काले धुएं का गुबार उठ रहा था। इससे आसपास रहने वाले लोगों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। आग से जली इमारत के फर्श पर मुड़ी हुई धातु के टुकड़े बिखरे पड़े थे। छत की लोहे की चादरें भी जलकर काली हो गई थीं। वहां अन्य मलबा भी फैला हुआ था।

लापता कर्मचारियों के परिजन कर रहे इंतजार : फैक्टरी के बाहर लापता कर्मचारियों के परिजन बेचैन होकर इंतजार कर रहे थे। वे अपने परिवार के उन सदस्यों की खबर मिलने की उम्मीद कर रहे थे, जिनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था। आग लगने की सही वजह का अभी पता नहीं चला है। अधिकारियों ने यह भी नहीं बताया कि आग लगने के समय सभी लापता कर्मचारी फैक्टरी के अंदर ही थे या नहीं। हालांकि, आग से बचकर निकले लोगों ने बताया कि तीसरी मंजिल पर लगी एक ठंडा करने वाली मशीन से आग शुरू हुई थी।

यमन में सऊदी ने किए हवाई हमले, होदेदा शहर को बनाया निशाना; हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया

सना/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने लाल सागर के तट पर बसे यमन के बंदरगाह शहर होदेदा पर शनिवार शाम हवाई हमले किए। सऊदी लड़ाकू विमानों ने कई हमले किए। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने इसकी जानकारी दी। चैनल ने इन हमलों को सऊदी आक्रामकता बताया। हालांकि, उसने हमलों में मारे गए या घायल हुए लोगों की संख्या नहीं बताई। नुकसान की जानकारी भी नहीं दी। एक स्थानीय निवासी ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि शहर में पांच से ज्यादा जोरदार धमाके हुए। उस समय भी लड़ाकू विमान आसमान में उड़ रहे थे। निवासी ने कहा, धमाके बेहद तेज थे। हम अब भी अपने ऊपर विमानों की आवाज सुन सकते थे।

हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया : वहीं, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरीया ने अलग से बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने यमन के आठ प्रांतों में 71 हमले किए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, इन हमलों में लोग हताहत हुए हैं। सरीया ने एक्स पर एक बयान भी जारी किया। उन्होंने कहा कि ताजा हमलों के बाद सऊदी अरब की ओर से किए गए हवाई और मिसाइल हमलों की संख्या 5,500 हो गई है। यह संख्या सैन्य तनाव दोबारा बढ़ने के बाद से अब तक हुए हमलों की है।

सऊदी ने हूती विद्रोहियों के कितने ड्रोन और मिसाइल रोके : इस बीच, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-



मलिकी ने शनिवार को एक्स पर बताया कि गठबंधन की सेना ने हूतियों की ओर से रियाद की तरफ भेजे गए एक ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। इससे पहले, गठबंधन ने बताया था कि उसकी सेना ने रियाद की ओर दागी गई हूती विद्रोहियों की तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। गठबंधन ने एक और ड्रोन को रोकने की जानकारी दी। यह ड्रोन हूतियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र की ओर भेजा था। ये घटनाएं ऐसे समय हुई हैं, जब यमन में हूती विद्रोहियों और सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो रही है। यमन की सरकारी सेना को सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन हासिल है। पिछले कुछ दिनों में हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल ठिकानों पर कई बार मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। वहीं, हूती विद्रोहियों के मीडिया संस्थानों ने यमन में सऊदी अरब के हवाई हमले तेज होने की खबरें दी हैं। यमन में दिसंबर 2014 के आखिर से संघर्ष जारी है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सैन्य कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन की सरकार के समर्थन में की गई थी।

कैलिफोर्निया में बाढ़ और समुद्री लहरों का खतरा, अल नीनो और ऊंचे ज्वार से तटीय इलाकों पर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रिकॉर्ड दर की बारिश, समुद्र की ऊंची उठती लहरों और कमजोर समुद्री तटबंधों ने खतरे की आशंका बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अल नीनो इफेक्ट और असामान्य रूप से ऊंचे समुद्री ज्वार के कारण इस सप्ताह राज्य के तटीय इलाकों में बाढ़, कटाव और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

तूफानी सिस्टम से फ्लैश फ्लड का खतरा : अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को नए तूफानों को लेकर सतर्क किया। उन्होंने कहा, बारिश लाने वाला तूफानी सिस्टम बेहद सक्रिय है और एक घंटे में एक इंच (करीब 25.4 मिलीमीटर) से अधिक बारिश दर्ज की गई है। इसी वजह से कई जगहों पर फ्लैश फ्लड आने की चेतावनी जारी की गई है। सैन फ्रांसिस्को में बारिश ने तोड़ा 100 साल पुराना रिकॉर्ड समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सुपर अल नीनो के प्रभाव से वायुमंडलीय नमी के एक शक्तिशाली प्रवाह के कारण बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में बाढ़ जैसे हालात बन गए। शहर में एक ही दिन में 2.64 इंच बारिश दर्ज की गई, जिसने इस तारीख के लिए सौ साल से भी पुराने बारिश के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बारिश के कारण कई इमारतों में पानी भर

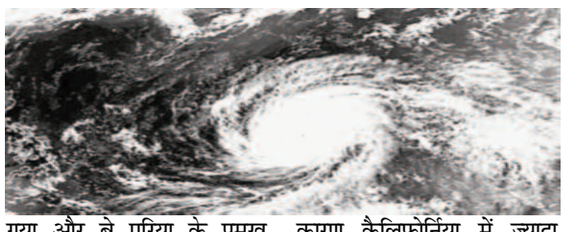

गया और बे एरिया के प्रमुख राजमार्गों पर वाहन पानी में फंस गए। बुधवार दोपहर तक 51 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति भी बाधित हो गई।

अल नीनो से बढ़ सकती है बारिश और समुद्री जलस्तर : अल नीनो एक ऐसा मौसमी पैटर्न है जिसमें उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसके कारण कैलिफोर्निया में ज्यादा बारिश और तूफान आ सकते हैं। यह यूएस के पश्चिमी तट पर समुद्र के जलस्तर को कुछ समय के लिए बढ़ा सकता है, जिससे ऊंची लहरें और ज्वार-भाटा सामान्य से कहीं ज्यादा अंदर तक पहुंच सकते हैं।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में ऊंची लहरों से तटीय कटाव : गुरुवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया के तटों पर बड़ी-बड़ी लहरें टकराती रहीं, जिससे पहले आए तूफानों से हुआ कटाव और नुकसान और भी बढ़ गया। अक्टूबर में, क्रिस्टल कोव स्टेट पार्क के पास पैसिफिक कोस्ट हाईवे के नीचे एक तटीय ढलान में 360 फुट लंबी दरार आ गई थी। इसके चलते कैल्ट्रान्स को दोनों दिशाओं में ट्रैफिक को एक-एक लेन तक सीमित करना पड़ा था, ताकि कर्मचारी ढलान को स्थिर करने का काम कर सकें।

मालिबू और लॉस एंजिलिस में 9 फुट तक ऊंची लहरों की चेतावनी : मालिबू और लॉस एंजिल्स काउंटी के समुद्र तटों के लिए शुक्रवार सुबह 9 बजे तक हाई सर्फ एडवाइजरी (ऊंची लहरों की चेतावनी) जारी है, जिसमें 6 से 9 फुट ऊंची लहरें उठने की आशंका है।

अगले सप्ताह किंग टाइड्स से बढ़ेगा खतरा : वैज्ञानिकों का मानना है कि असली चुनौती अगले हफ्ते आएगी, जब रविवार से 27 नवंबर के बीच असामान्य रूप से ऊंचे किंग टाइड्स (बहुत ऊंचे ज्वार) आएंगे। इस दौरान बड़ी लहरें उठ सकती हैं और और भी बारिश हो सकती है। सोमवार से, दक्षिणी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में तटीय जलस्तर 8 फुट से भी ऊपर जा सकता है। कैलिफोर्निया कोस्टल कमीशन के अनुसार, इस मौसम के सबसे ऊंचे ज्वार 24-26 नवंबर, 23-25 दिसंबर और 21-22 जनवरी को आएंगे।

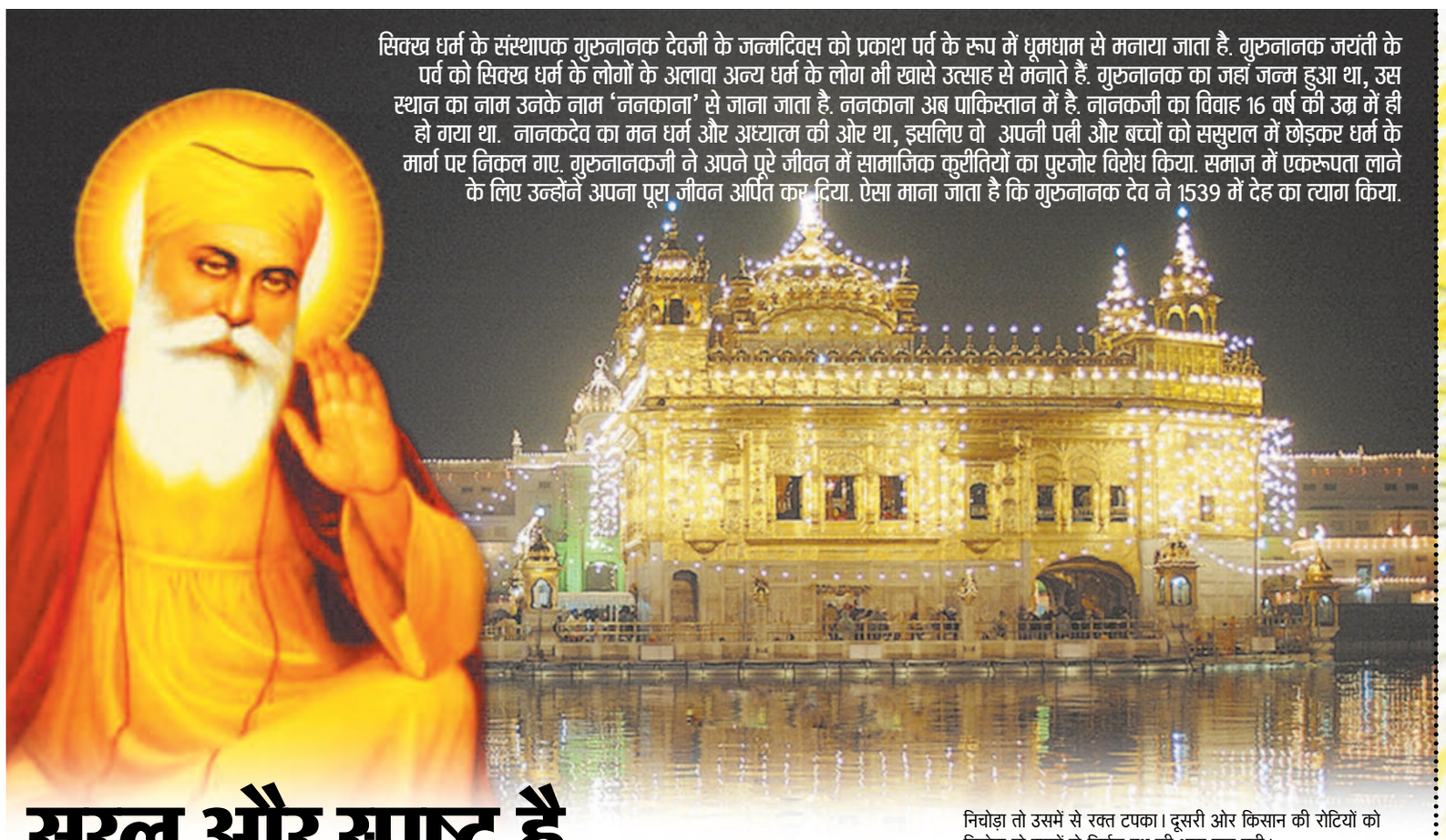

सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देवजी के जन्मदिवस को प्रकाश पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है. गुरुनानक जयंती के पर्व को सिक्ख धर्म के लोगों के अलावा अन्य धर्म के लोग भी खासे उत्साह से मनाते हैं. गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था, उस स्थान का नाम उनके नाम 'ननकाना' से जाना जाता है. ननकाना अब पाकिस्तान में है. नानकजी का विवाह 16 वर्ष की उम्र में ही हो गया था. नानकदेव का मन धर्म और अध्यात्म की ओर था, इसलिए वो अपनी पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल गए. गुरुनानकजी ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया. समाज में एकरूपता लाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया. ऐसा माना जाता है कि गुरुनानक देव ने 1539 में देह का त्याग किया.

सरल और स्पष्ट है
गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व

गुरु नानक देवजी सिख धर्म के संस्थापक ही नहीं, अपितु मानव धर्म के उत्थापक थे। वे केवल किसी धर्म विशेष के गुरु नहीं अपितु संपूर्ण सृष्टि के जगद्गुरु थे। 'नानक शाह फकीर। हिन्दू का गुरु, मुसलमान का पीर। उनका जन्म पूर्व भारत की पावन धरती पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन 1469 को लाहौर से करीब 40 मील दूर स्थित तलवंडी नामक गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम कल्याणराय मेहता तथा माता का नाम तृपताजी था।

भाई गुरुदासजी लिखते हैं कि इस संसार के प्राणियों की त्राहि-त्राहि को सुनकर अकाल पुरख परमेश्वर ने इस धरती पर गुरु नानक को पहुंचाया, 'सुनी पुकार दातार प्रभु गुरु नानक जग महि पठाइया।' उनके इस धरती पर आने पर 'सतिगुरु नानक प्रगटिआ मिटी धुंधू जगि चानणु होआ' सत्य है, नानक का जन्मस्थल अलौकिक ज्योति से भर उठा था। उनके मस्तक के पास तेज आभा फैली हुई थी। पुरोहित पंडित हरदयाल ने जब उनके दर्शन किए उसी क्षण भविष्यवाणी कर दी थी कि यह बालक ईश्वर ज्योति का साक्षात अलौकिक स्वरूप है। बचपन से ही गुरु नानक का मन आध्यात्मिक ज्ञान एवं लोक कल्याण के चिंतन में डूबा रहता। बैठे-बैठे ध्यान मग्न हो जाते और कभी तो यह अवस्था समाधि तक भी पहुंच जाती। गुरु नानक देवजी का जीवन एवं धर्म दर्शन युगांतकारी लोकचिंतन दर्शन था। उन्होंने सांसारिक यथार्थ से नाता नहीं तोड़ा। वे संसार के त्याग संन्यास लेने के खिलाफ थे, क्योंकि वे सहज योग के हामी थे। उनका मत था कि मनुष्य संन्यास लेकर स्वयं का अथवा लोक कल्याण नहीं कर सकता, जितना कि स्वाभाविक एवं सहज जीवन में।

इसलिए उन्होंने गृहस्थ त्याग गुफाओं, जंगलों में बैठने से प्रभु प्राप्ति नहीं अपितु गृहस्थ में रहकर मानव सेवा करना श्रेष्ठ धर्म बताया। 'नाम जपना, किरत करना, वंड छकना' सफल गृहस्थ जीवन का मंत्र दिया। यही गुरु मंत्र सिख धर्म की मुख्य आधारशिला है। यानी अंतर आत्मा से ईश्वर का नाम जपो, ईमानदारी एवं परिश्रम से कर्म करो तथा अर्जित धन



से असहाय, दु:खी पीड़ित, जरूरततमंद इंसानों की सेवा करो।

गुरु उपदेश है, 'घाल खाये किछ हत्थो देह। नानक राह पछाने से।' इस प्रकार श्री गुरुनानक देवजी ने अन्न की शुद्धता, पवित्रता और सात्विकता पर जोर दिया। गुरु नानक देव एक मर्तबा एक गांव में पहुंचे तो उनके लिए दो घरों से भोजन का निमंत्रण आया। एक निमंत्रण गांव के धनाढ्य मुखिया का था, दूसरा निर्धन बढ़ई का था। नानक जी ने मुखिया के घी से बने मिष्ठान को ग्रहण न करके बढ़ई किसान की रूखी रोटियां को सप्रेम स्वीकार किया। इस पर मुखिया ने अपना अपमान समझा। गुरुजी ने मुखिया की रोटियों को निचोड़ा तो उसमें से रक्त टपका। दूसरी ओर किसान की रोटियों को निचोड़ा तो उसमें से निर्मल दूध की धारा फूट पड़ी।

गुरुनानक देवजी ने कहा कि मुखिया की कमाई, जो अनीति, अधर्म, अत्याचार, शोषण से प्राप्त की कमाई है जबकि काश्तकार ने यह अन्न ईमानदारी, मेहनत से प्राप्त किया है। इसमें लेशमात्र भी अनीति, अन्याय, शोषण, मलिनता नहीं है। कु-अन्न के प्रभाव से मन मलिन, प्रदूषित तथा विकारों से युक्त हो जाता है। ऐसा भोजन कितना भी स्वादिष्ट हो, वह ग्राह्य नहीं है। शुद्ध, सात्विक, नीति-धर्म का पालन करते हुए प्राप्त किया हो, वह आहार मानव मन को विकार रहित, निर्मल, पवित्र और सात्विक बनाता है। इसी प्रकार ईश्वरीभाव एवं भय के साथ पूरी ईमानदारी के साथ कर्म करने की बात भी गुरुजी ने कही।

गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व जितना सरल, सीधा और स्पष्ट है, उसका अध्ययन और अनुसरण भी उतना ही व्यावहारिक है। गुरु नानक वाणी, जन्म साखियों, फारसी साहित्य एवं अन्य ग्रंथों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है। गुरुनानक ने सभी धर्मों को श्रेष्ठ बताया। जरूरत है धर्म के सत्य ज्ञान को आत्मसात कर अपने व्यावहारिक जीवन में लाने की। गुरुजी ने धार्मिक एवं सामाजिक विषमताओं पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने वाणी में हिन्दू और मुसलमान दोनों के लिए एकात्मकता के बीज बोए। उनका मत था कि संपूर्ण सृष्टि का ईश्वर एक है। हम सब तो उसके बंदे हैं- 'एक पिता एकस के बारिक'। हमारा धर्म एक है। गुरुजी स्वयं एकेश्वर में पूर्ण विश्वास रखते थे। उनका दृष्टिकोण समन्वयवादी था।

वे कहते हैं- 'सबको ऊंचा आखिए/ नीच न दिसै कोई।' गुरुजी ने ऐसे मनुष्यों को प्रताड़ित किया है, जिनके मन में जातीय भेदभाव है और कहा कि वह मनुष्य नहीं, पशु के समान है- जीनके भीतर हैं अंतरा जैसे पशु तेसे वो नरा'। ऊंच-नीच के भेदभाव मिटाने के लिए गुरुजी ने कहा कि मैं स्वयं भी ऊंची जाति कहलाने वालों के साथ नहीं बल्कि मैं जिन्हें नीची जात कहा जाता है, उनके साथ हूँ। 'नीचा अंदरि नीच जाति, नीचिंहु अति नीचु/ नानक तिन के संग साथ, वडिया सिऊ किया रीस। गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व जितना सरल, सीधा और स्पष्ट है, उसका अध्ययन और अनुसरण भी उतना ही व्यावहारिक है। गुरु नानक वाणी, जन्म साखियों, फारसी साहित्य एवं अन्य ग्रंथों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि गुरुनानक उदार प्रवृत्ति वाले स्वतंत्र और मौलिक चिंतक थे। एक सामान्य व्यक्ति और एक महान आध्यात्मिक चिंतक का एक अद्भुत मिश्रण गुरु नानकदेवजी के व्यक्तित्व में अनुभव किया जा सकता है। 'वे नबी भी थे और लोकनायक भी, वे साधक भी थे और उपदेशक भी, वे शायर एवं कवि भी थे और ढाढ़ी भी, वे गृहस्थी भी थे और पर्यटक भी।'

मानवता का संदेश देता है प्रकाश पर्व

कार्तिक मास की पूर्णिमा पर सिक्ख धर्मावलंबियों द्वारा प्रकाश पर्व मनाया जाता है। प्रकाश पर्व सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार गुरुनानक देव परिवार कृषि आदि कार्य से संबंधित था। गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था वह स्थान उन्हीं के नाम पर अब ननकाना के नाम से जाना जाता है। ननकाना अब पाकिस्तान में है। नानकदेवजी बचपन से प्रखर बुद्धि थे। प्रारंभ से ही इनके चेहरे पर अद्भुत तेज दिखाई देता था। नानकजी का विवाह 16 वर्ष की उम्र में हुआ। इनके दो पुत्र हुए। चूंकि नानकदेव का मन धर्म और अध्यात्म की ओर था अत- वे पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल गए। गुरुनानकजी ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया। समाज में एकरूपता लाने के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया। इन्होंने यही संदेश दिया कि ईश्वर एक है और हमें उसी की आराधना करनी चाहिए। गुरुनानकजी ने भारत सहित अनेक देशों की यात्राएं की। वे मानवीय और धार्मिक एकता के उपदेशों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। ऐसा माना जाता है कि गुरुनानक देव ने 1539 देह का त्याग किया।

प्रकाश पर्व और नगर कीर्तन का महत्व



सिखों के पहले गुरु नानकदेवजी की जयंती देशभर में प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवाभाव से प्रकाशित करना। सिखों के प्रथम गुरु, गुरु नानकदेवजी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पंज (पांच) प्यारे नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं। श्री गुरुग्रंथ साहिब को फूलों की पालकी से सजे वाहन पर सुशोभित करके कीर्तन विभिन्न जगहों से होता हुआ गुरुद्वारे पहुंचता है। प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में प्रभातफेरी निकाली जाती है जिसमें भारी संख्या में संगतें भाग लेती हैं। प्रभातफेरी के दौरान कीर्तनी जत्थे कीर्तन कर संगत को निहाल करते हैं। इस अवसर पर गुरुद्वारे के सेवादार संगत को गुरु नानकदेवजी के बताए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। कहते हैं कि श्री गुरु नानकदेव महाराज महान युगपुरुष थे। नानकदेवजी ने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने में समर्पित कर दिया। ऐसे महान युगपुरुष की आज के समय में बहुत जरूरत है। भगवान एक है। एक ही गुरु है और कोई नहीं। जहां गुरु जाते हैं, वह स्थान पवित्र हो जाता है। भगवान को याद करने, मेहनत से कमाई करने और उसके बाद बांट के खाने का संदेश दुनियाभर में देने वाले ऐसे ही गुरु को सिख समुदाय उनकी जयंती पर याद करता है। एक ओर जहां गुरुद्वारों में भव्य सजावट की जाती है, वहीं गुरु का प्रसाद लंगर भी बांटा जाता है। साथ ही गुरु नानकदेवजी पर आधारित पोस्टर जारी किए जाते हैं। अपनी परंपरानुसार प्रभातफेरी में शामिल स्त्री-पुरुष सफेद वस्त्र एवं केसरिया चुन्नी धारण कर गुरुवाणी का गायन करते हुए चलते हैं। > सभी जत्थों का जगह-जगह पर हार-फूल से स्वागत किया जाता है। शाम को दीवान सजाकर शबद कीर्तन का कार्यक्रम भी किया जाता है। यह पर्व समाज के हर व्यक्ति को साथ में रहने, खाने और मेहनत से कमाई करने का संदेश देता है। गुरु नानकदेवजी का प्रकाश पर्व सिख समुदाय का सबसे बड़ा पर्व है।

जब गुरु नानक के आगे झुका बगदाद के शासक का सिर

एक बार गुरु नानक बगदाद गए हुए थे। वहां का शासक बड़ा ही अत्याचारी था। वह जनता को कष्ट तो देता ही था, उनकी संपत्ति लूटकर अपने खजाने में जमा भी कर लिया करता था। उसे जब मालूम हुआ कि हिंदुस्तान से कोई साधु पुरुष आया है तो वह नानकजी से मिलने उनके पास पहुंचा। कुशल समाचार पूछने के उपरांत नानकजी ने उससे 100 पत्थर गिरवी रखने की विनती की।

शासक बोला, 'पत्थर गिरवी रखने में कोई आपत्ति नहीं है किंतु आप उन्हें ले कब जाएंगे?'

'आपके पूर्व ही मेरी मृत्यु होगी। मेरे मरणोपरांत, इस संसार में आपकी जीवन यात्रा समाप्त होने पर जब आप मुझसे मिलेंगे, तब इन पत्थरों को मुझे दे दीजिएगा,' नानक बोले।

'आप भी कैसी बातें करते हैं, महाराज। भला इन पत्थरों को लेकर मैं वहां कैसे जा सकता हूं?'

'तो फिर जनता को चूस-चूसकर आप जो अपने खजाने में नित्य वृद्धि किए जा रहे हैं, क्या वह सब यहीं छोडेंगे? उसे भी अपने साथ ले ही जाएंगे। बस साथ में मेरे इन पत्थरों को भी लेते आइएगा।'

इतना सुनते ही उस दुराचारी की आंखें खुल गईं। नानक के चरणों पर गिरकर उनसे क्षमा मांगने लगा।

नानक ने कहा, 'मुझसे क्षमा क्यों मांगते हो और मैं कौन होता हूं क्षमा करने वाला। वैसे भी तुमने मुझे को कोई कष्ट दिया नहीं कि तुम मुझसे क्षमा मांगो। अगर क्षमा मांगनी ही है तो अपने देश की जनता से मांगो जिसका तुमने खून चूसा है। तुम यदि समझ रहे हो कि तुमने गलत किया है तो वचन दो कि आज के बाद कभी अपनी प्रजा को कष्ट नहीं दोगे।'

शासक की समझ में सारी बात आ गई। उसने नानकजी को वचन दिया कि वह ऐसा ही करेगा। नानकजी ने उसे क्षमा कर दिया और वह शासक प्रजा को कष्ट न देने के वचन के साथ अपने महल की ओर चल दिया।



महान दार्शनिक गुरु नानक देव

गुरुनानक देव के चेहरे पर बाल्यकाल से ही अद्भुत तेज दिखाई देता था। उनका जन्म लाहौर के पास तलवंडी नामक गांव में कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ। उनका परिवार कृषि करके आमदनी करते थे। गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था वह स्थान आज उन्हीं के नाम पर अब ननकाना के नाम से जाना जाता है। ननकाना अब पाकिस्तान में है। बचपन से प्रखर बुद्धिवाले नानक देव सिख धर्म के संस्थापक हैं। वे उम्र के 16वें वर्ष में शादी होने के बाद अपनी पत्नी और दोनों पुत्रों को छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल पड़ें। बचपन से ही उनका मन धर्म और अध्यात्म में लगता था। कहा जाता है कि गुरुनानक देव ने एक ऐसे विकट समय में जन्म लिया जब भारत में कोई केंद्रीय संगठित शक्ति नहीं थी। विदेशी आक्रमणकारी भारत देश को लूटने में लगे थे। धर्म के नाम पर अंधविश्वास और कर्मकांड चारों तरफ फैले हुए थे। ऐसे समय में नानक एक महान दार्शनिक, विचारक साबित हुए। उन्होंने अपनी सुमधुर सरल वाणी से जनमानस के हृदय को जीत लिया। लोगों को बेहद सरल भाषा में समझाया सभी इंसान एक दूसरे के भाई है। ईश्वर सबके पिता है, फिर एक पिता की संतान होने के बावजूद हम ऊंच-नीच कैसे हो सकते है? इन्हीं सभी भ्रांतियों को दूर करने के लिए उन्होंने उपदेशों को अपने जीवन में अमल किया और चारों ओर धर्म का प्रचार कर स्वयं एक आदर्श बने। सामाजिक सद्भाव की मिसाल कायम की। ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाने के लिए लंगर की परंपरा चलाई। जहां कथित अछूत और उच्च जाति के लोग एक साथ लंगर में बैठकर एक पंक्ति में भोजन करते थे। आज भी सभी गुरुद्वारों में यही लंगर परंपरा कायम है। लंगर में बिना किसी भेदभाव के संगत सेवा करती है। गुरु नानक देव ने भारत सहित अनेक देशों की यात्राएं कर धार्मिक एकता के उपदेशों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर दुनिया को जीवन का नया मार्ग बताया। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर गुरु नानक जयंती मनाई जाती है।

कार्तिक पूर्णिमा को किए दान का मिलता है अक्षय फल



एक वर्ष पंद्रह पूर्णिमाएं होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है, तो 16 पूर्णिमा मनाई जाती हैं। इस महीने की चार तारीख यानी चार नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाएगा। हिंदू धर्म के लिए ही नहीं, सिखों के लिए भी कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इसे त्रिपुरी पूर्णिमा, महाकार्तिकी या गंगा स्नान के नाम से भी जाना जाता है। सृष्टि के आरंभ से ही कार्तिक पूर्णिमा की तिथि खास रही है। स्कंद पुराण, नारद पुराण पद्म पुराण आदि में इस दिन स्नान,व्रत व तप की दृष्टि से मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। इसका महत्व सिर्फ वैष्णव भक्तों के लिए ही नहीं शैव भक्तों और सिख धर्म के लिए भी अधिक है।

वैष्णव भक्तों के लिए इसलिए है खास

विष्णु के भक्तों के लिए यह दिन इसलिए खास है क्योंकि भगवान विष्णु का पहला अवतार इसी दिन हुआ था। प्रथम अवतार में भगवान विष्णु मत्स्य यानी मछली के रूप में थे। भगवान को यह अवतार वेदों की रक्षा,प्रलय के अंत तक सप्तऋषियों,अनाजों एवं राजा सत्यव्रत की रक्षा के लिए लेना पड़ा था। इससे सृष्टि का निर्माण कार्य फिर से आसान हुआ।

इस दिन शिव बने थे त्रिपुरारी

शिव भक्तों के अनुसार इसी दिन भगवान भोलेनाथ ने त्रिपुरासुर नामक महाभयानक असुर का संहार कर दिया जिससे वह त्रिपुरारी के रूप में पूजित हुए। इससे देवगण बहुत प्रसन्न हुए और भगवान विष्णु ने शिव जी को त्रिपुरारी नाम दिया जो शिव के अनेक नामों में से एक है। इसलिए इसे 'त्रिपुरी पूर्णिमा' भी कहते हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा जब आकाश में उदित हो रहा हो उस समय शिवा, संभूति, संतति, प्रीति, अनुसूया और क्षमा इन छह कृतिकाओं का पूजन करने से शिव जी की कृपा बनी रहती है।

सिखों के लिए इस दिन का महत्व

कार्तिक पूर्णिमा के दिन को प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है। क्योंकि इसी दिन सिख सम्प्रदाय के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। इस दिन सिख सम्प्रदाय के अनुयाई सुबह स्नान कर गुरुद्वारों में जाकर गुरुवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताए रास्ते पर चलने की सौगंध लेते हैं। इसे गुरु पर्व भी कहा जाता है।

नगर पालिका कर्मचारी की मौत पर भड़के पर्यावरण मित्र

मसूरी। नगर पालिका कर्मचारी सतीश की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद सफाई कर्मचारियों और पर्यावरण मित्रों में भारी आक्रोश है। सोमवार को आक्रोशित पर्यावरण मित्रों ने कुलड़ी पुलिस चौकी के समीप धरना देकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। काफी देर तक जब कोई पुलिस अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा तो गुस्साए कर्मचारियों ने भगत सिंह चौक पर पहुंचकर जाम लगा दिया और पुलिस व नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे पर्यावरण मित्रों ने आरोप लगाया कि पुलिस पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय किसी को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सतीश की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। कर्मचारियों ने



पकड़े गए आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी भी मौके पर पहुंचीं और आक्रोशित कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में सीओ जगदीश पंत मौके पर पहुंचे और धरने पर बैठे कर्मचारियों से वार्ता कर उन्हें समझाया। सीओ के आश्वासन के बाद कुछ पर्यावरण मित्र उनके साथ कोतवाली पहुंचे और मामले में कार्रवाई की मांग रखी।

पर्यावरण मित्रों ने चेतावनी दी कि सतीश की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

जखोली में व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रूद्रप्रयाग। जनपद के जखोली गांव में एक व्यक्ति की आत्महत्या की घटना सामने आयी है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। पुलिस के अनुसार, जखोली गांव निवासी खुशाल सिंह चौहान 55, ने सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे अपनी गोशाला के समीप एक पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन जब गोशाला के पास पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। इसके बाद मौके पर ग्रामीण एकत्रित हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर जखोली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस इस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है और पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि खुशाल सिंह चौहान खेती–बाड़ी कर परिवार का पालन–पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं।

गुरु रविदास जयंती पर निकली समरसता यात्रा



देहरादून। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर निकाली जा रही अखिल भारतीय समरसता यात्रा 24 नवंबर को उत्तराखंड पहुंचेगी। विकासनगर के कुल्हाल गेट पर यात्रा का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद यात्रा देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार होते हुए रुड़की के धनौरी पहुंचेगी। यहां विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बलवीर घुनियाल ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य गुरु रविदास जी के समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश को लोगों तक पहुंचाना है। यात्रा हरबर्टपुर, सहसपुर, सेलाकुई, झाझरा, प्रेमनगर, देहरादून, माजरी ग्रांट, हर्रावाला, नेपाली फार्म, ऋषिकेश और हरिद्वार से होकर गुजरेगी। इस दौरान अलग–अलग स्थानों पर इसका स्वागत किया जाएगा।

धनौरी में होने वाली जनसभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवेश कुमार राम और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट सहित कई मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। बलवीर घुनियाल ने प्रदेशवासियों से यात्रा का स्वागत करने और गुरु रविदास जी के विचारों को अपनाने की अपील की।



आउटसोर्स कर्मचारियों के धरने को समर्थन देने पहुंचे हरक सिंह रावत का समर्थन

देहरादून। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त विभागीय आउटसोर्स संगठन के सदस्य परेड ग्राउंड के समीप धरने पर बैठे हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने धरनास्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए उनकी मांगों के समर्थन में अपनी बात रखी।

प्रकाश पर्व पर मुख्य गुरुद्वारे में होगा कीर्तन और कथा

डोईवाला। श्री गुरु नानकदेव महाराज के प्रकाश पर्व को लेकर गुरुद्वारा डोईवाला में विशेष तैयारियां की गई हैं। प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में कथा और कीर्तन के माध्यम से गुरु महाराज की शिक्षाओं को बताया जाएगा। श्री गुरु सिंह सभा डोईवाला के प्रधान गुरदीप सिंह ने बताया कि मंगलवार को होने वाले कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाले जत्थे और कथा वाचक संगत को गुरु महाराज की शिक्षाओं से जोड़ेंगे। वहीं, स्थानीय रागी जत्थों भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु महिमा का गुणगान करेंगे। बताया कि अमृतसर दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई हरमनदीप सिंह अपने जत्थे के साथ गुरुवाणी से लोगों को रूबरू कराएंगे। पटियाला के कथावाचक ज्ञानी सुच्चा सिंह गुरु महाराज के जीवन, उनके उपदेशों और मानवता का संदेश जन–जन तक पहुंचाएंगे।

दूल्हा एक बनेगा, नाचना सबको पड़ेगा', राम माधव ने उदाहरण देकर कार्यकर्ताओं को दिया एकजुटता का संदेश



हरिद्वार। भाजपा के वरिष्ठ नेतात और उत्तराखंड प्रभारी राम माधव ने हरिद्वार में विस्तारित कार्यसमिति में कार्यकर्ताओं को विवाह का उदाहरण देते हुए एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव भी विवाह जैसा अवसर है, जिसमें दूल्हा बनने का मौका किसी एक को ही मिलता है लेकिन बारात में नाचना सभी को पड़ता है। इसी तरह टिकट किसी एक को मिलेगा, लेकिन पार्टी की जीत के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से जुटना होगा।

राम माधव ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा ही नेचुरल पार्टी ऑफ गवर्नेंस है। यह देवभूमि भी है और वीरभूमि भी। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को जीने वाली पार्टी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा में सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी योग्यता और परिश्रम के दम पर टिकट का दावेदार बन सकता है। यहां परिवारवाद या धनबल के आधार पर फैसले नहीं होते। टिकट किसी एक को ही मिलेगा, इसलिए सभी दावेदार धैर्य रखें और पार्टी के निर्णय के बाद एकजुट होकर चुनाव में जुटें।

प्रवासी कार्यकर्ता करेंगे सहयोग

राम माधव ने कहा कि दिल्ली, पंजाब और हिमाचल से आए विस्तारक जिला केंद्रों में रहकर अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह का माहौल और उत्साह प्रदेश में है, उसे देखते हुए भाजपा को कोई बाहरी ताकत नहीं हरा सकती, लेकिन कार्यकर्ताओं को अपनी सक्रियता बनाए रखनी होगी। उन्होंने उत्तराखंड के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और तत्कालीन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह के ऐतिहासिक योगदान को याद किया।

संक्षिप्त समाचार

मेयर ने परखी निर्माणाधीन पार्किंग व निगम भवन की रफ्तार

ऋषिकेश। नगर निगम के निर्माणाधीन बहुमंजिला कार्यालय भवन और बहुमंजिला पार्किंग भवन का मेयर शंभू पासवान ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की वर्तमान गति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों, कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम के नए बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण कार्य जल्द पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के शेष कार्यों में तेजी लाई जाए और समय सीमा पर पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए।

मेयर ने कहा कि नगर निगम के नए कार्यालय भवन के तैयार होने से निगम की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। वहीं बहुमंजिला पार्किंग शहर की यातायात और पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना साबित होगी। इसके निर्माण से शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या के अनुरूप पार्किंग की सुविधा विकसित होगी और सड़क किनारे अनियोजित वाहन खड़े होने की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। इस दौरान नगर आयुक्त विजय नाथ शुक्ल, अधिशासी अभियंता अनिल नेगी, विद्युत विभाग अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना, उपखण्ड अधिकारी रुपेश चंद्र, सहायक अभियंता नीरज त्रिपाठी अन्य मौजूद रहे।

लक्ष्य पूरा न होने पर अधिकारियों का वेतन रोकने की चेतावनी

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिला कार्यालय सभागार में आयोजित जनता दरबार में सात शिकायतें सुनीं। इनमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया जबकि शेष शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों और जिला योजना की समीक्षा भी की। कुछ विभागों की वित्तीय और भौतिक प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर बजट खर्च बढ़ाने और निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों का वेतन रोकने की चेतावनी दी।

जनता दरबार में ग्राम नारी निवासी बीर सिंह ने मकान के ऊपर पेड़ होने से भवन को खतरा बताते हुए पेड़ कटवाने की मांग की। वार्ड छह के हीत डांग मोहल्ला निवासी राजेंद्र सिंह ने नगर पालिका की दीवार से कच्ची नाली का पानी रिसने और भवन में सीलन आने की शिकायत की। वहीं ग्राम कंडारा निवासी प्रमोद राणा ने पेंशन दिलाने की मांग रखी। जिलाधिकारी ने शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जनगणना के दूसरे चरण की स्वगणना प्रक्रिया का ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया गया। जिलाधिकारी ने कार्यालयाध्यक्षों को कर्मचारियों की स्वगणना पूरी कराने और सही व पूरी जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश मिश्रा, जिला पंचायती राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट और एआरटीओ धर्मेंद्र सिंह बिष्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सहायता उपकरणों के लिए 22 दिव्यांग बच्चों को किया चिह्नित

डोईवाला। समग्र शिक्षा अभियान के तहत सोमवार को बीआरसी डोईवाला में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सहायता उपकरण परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 32 दिव्यांग बच्चों को सहायता उपकरणों के लिए चिह्नित किया गया। एलिम्को कानपुर की विशेषज्ञ टीम ने बच्चों का स्वास्थ्य और आवश्यकता के अनुसार परीक्षण किया। डोईवाला में सोमवार को आयोजित शिविर का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी हेमलता गौड, जिला समन्वयक श्वेता उनियाल और सपना नेगी ने किया। खंड शिक्षा अधिकारी हेमलता गौड ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी जरूरत के अनुरूप सहायता उपकरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। शिविर के माध्यम से जल्द उपकरण दिलाने का प्रयास हो रहा है। शिविर में राजेश डोभाल, रश्मि बहुगुणा, अनिल शाह, किरण, महेन्द्र सिंह रावत, सोनिया, अंकुश कांडपाल, जय सिंह कौशल आदि मौजूद रहे।

दूर–दराज के शहरों से बर्फ तलाशने चकराता आ रहे पर्यटक

विकासनगर। पहाड़ों पर सर्दी की दस्तक के साथ ही चकराता में बर्फबारी का इंतजार पर्यटकों को यहां खींचने लगा है। न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में बर्फ गिरने की उम्मीद बढ़ गई है।

फिलहाल पर्यटक छावनी बाजार से ही हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों का दीदार कर रहे हैं। उन्हें इंतजार है उस पल का, जब चकराता की पहाड़ियां भी सफेद चादर ओढ़ लेंगी। चकराता में इन दिनों दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और देहरादून समेत आसपास के मैदानी क्षेत्रों से पर्यटक पहुंच रहे हैं। कई पर्यटक बर्फबारी की संभावना को देखते हुए वीकेंड पर घूमने का कार्यक्रम बना रहे हैं। पर्यटकों के लिए यहां का ठंडा मौसम, देवदार के जंगल और दूर तक नजर आती हिमालय की चोटियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

पारंपरिक उत्पादों में भी रुचि दिखा रहे पर्यटक

बर्फबारी की संभावना ने पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिला दिए हैं। होटल, रिसोर्ट, कैंप और होम स्टे संचालकों को आगामी वीकेंड और



दिसंबर में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। कारोबारियों का कहना है कि बर्फबारी होने पर चकराता के साथ ही लोखंडी, कोटी–कनासर और देववन की ओर पर्यटकों का रुख बढ़ जाता है। इससे ठहरने और खानपान से लेकर स्थानीय बाजार तक कारोबार को गति मिलती है।

स्थानीय बाजार में पर्यटक पारंपरिक उत्पादों में भी रुचि दिखा रहे हैं। जौनसार–बावर की राजमा, गहत, उड़द, मंडुवा और अन्य स्थानीय दालों की खरीदारी कर रहे हैं। पर्यटकों के लिए पहाड़ों की सैर के साथ स्थानीय खानपान और उत्पादों का स्वाद लेना भी यात्रा का हिस्सा बन रहा है।

वैकुंठ चतुर्दशी पर त्रिवेणी घाट गंगा तट पर हुआ दीपदान

ऋषिकेश। वैकुंठ चतुर्दशी पर त्रिवेणी गंगा घाट पर शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। गंगा तट पर श्रद्धालुओं ने दीपदान कर भगवान शिव और भगवान विष्णु की आराधना की। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने सामूहिक रूप से गंगा तट पर पूजा–अर्चना कर सुख–समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। संध्याकाल में गंगा तट पर दीपों की रोशनी से वातावरण भक्तिमय हो गया। पंडित वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि वैकुंठ चतुर्दशी को भगवान शिव और भगवान विष्णु के मिलन का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान शिव ने भगवान विष्णु को सुदर्शन चक्रप्रदान किया था। इस दिन शिव और विष्णु दोनों की संयुक्त रूप से पूजा–अर्चना करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि वैकुंठ



चतुर्दशी पर व्रत और पूजन करने से मोक्ष, सुख और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन भगवान शिव को तुलसी और भगवान विष्णु को बेलपत्र अर्पित करने की भी परंपरा है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु एक दीपक में 365 बत्तियां जलाकर दीपदान करते हैं। संध्याकाल में किया गया दीपदान विशेष फलदायी माना जाता है। इससे भगवान शिव,भगवान विष्णु के साथ पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होने की मान्यता है।

वन सीमा के आबादी क्षेत्र में घूम रहा हाथी, विभाग अलर्ट

डोईवाला। लच्छीवाला वन रेंज के अंतर्गत टोंगिया, चांदमारी और सतीवाला के आसपास के आबादी क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही बढ़ रही है। इससे वन विभाग अलर्ट मोड पर है। विभागीय स्तर पर गश्त को बढ़ाया गया है।

वन सीमाओं के आबादी क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से हाथियों की आवाजाही बढ़ गई है। खेतों में तैयार गन्ने की फसल को हाथियों का दल निशाना बना रहा है। लच्छीवाला क्षेत्र में भी हाथी सक्रिय रहता है। कई बार हाथी की गतिविधियां सीसीटीवी में भी कैद हुई है। किसान रात में खेतों में जाने से परहेज कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि रात में हाथी खेतों में खड़ी फसलों को उजाड़ रहे हैं। समाजसेवी साकिर हुसैन ने बताया



कि हाथियों की आमद बढ़ने से सबसे अधिक नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने शुगर मिल प्रशासन से भी अनुरोध करते हुए कहा कि क्षतिग्रस्त फसल का मिल शीघ्रता से उठान करें। वन क्षेत्राधिकारी जीएस धमांदा ने बताया कि हाथियों की आमद पर अंकुश लगाने के लिए विभागीय गश्त को बढ़ाया गया है। कहा कि हाथी दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना दें।

अठूरवाला में आंतरिक सड़कों का शिलान्यास

जौलीग्रांट। अठूरवाला में 14.75 लाख की लागत से दो आंतरिक सड़कों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया। क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने लेन नंबर एक में सुरेंद्र के आवास से सोहन सिंह के आवास तक और लेन नंबर चार में सकलानी के आवास से डीएस चौहान के आवास तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक ने कहा कि उनका और उनकी सरकार का प्रयास विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड और गांव में सड़कें और मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, सभासद संदीप नेगी, राज्य सहकारी समिति सदस्य पुरुषोत्तम डोभाल, विक्रम सिंह नेगी, ईश्वर रौथाण, राजेश भट्ट, राकेश डोभाल, सुरेश सैनी, सुंदर लोधी, पुष्कर सिंह नेगी आदि उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर पीटीए शिक्षकों ने भरी हुंकार, विशाल रैली निकाल मुख्यमंत्री आवास कूच



देहरादून। देहरादून में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अशासकीय माध्यमिक पीटीए शिक्षक संघ के सदस्यों ने प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने गांधी पार्क से विशाल रैली निकाली और मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया। रैली के दौरान शिक्षक अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते नजर आए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांगों पर जल्द कार्रवाई करने की अपील की।

बारिश की बेरुखी से नवंबर में गर्मी का अहसास

देहरादून। बारिश नहीं होने से नवंबर में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आमतौर पर इस महीने ठंड का असर बढ़ने लगता है, लेकिन इस बार दिन में गर्मी का अहसास हो रहा है। सुबह और शाम के समय ही ठंड महसूस की जा रही है। खासकर मैदानी इलाकों में चटक धूप खिलने से तापमान भी सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। मौसम में आए इस बदलाव के पीछे बारिश की बेरुखी को प्रमुख वजह माना जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेशभर में 28 नवंबर तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। मौसम शुष्क रहने की वजह से दिन के तापमान में खास गिरावट के आसार नहीं हैं। नवंबर के अंतिम सप्ताह में भी दिन के समय गर्मी का अहसास होने से लोग सर्दियों की पूरी दस्तक का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 23 नवंबर को



प्रदेश के पर्वतीय इलाकों के कुछ हिस्सों में हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। जबकि मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा।

इसके बाद 24 से 28 नवंबर तक प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री इजाफे के साथ 27.2 डिग्री रहा। जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से दो डिग्री बढ़ोतरी के साथ 12.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। ऐसा ही हाल प्रदेश के अन्य इलाकों में भी रहा। उधर इस महीने बारिश का आंकड़ा सामान्य से 49 फीसदी नीचे है।

गंगा में डूबे तीनों लोगों को नहीं लगा सुराग

ऋषिकेश। शिवपुरी और लक्ष्मणझूला पुल के नजदीक गंगा में डूबे तीन लोगों को सुराग नहीं लग पाया है। एसडीआरएफ की टीम ने सोमवार को सुबह से गंगा घाटों पर पशुलोक बैराज तक सर्च अभियान चलाया लेकिन किसी का पता नहीं चला। 19 नवंबर को आगरा स्थित रोहता निवासी दसवीं कक्षा का 15 वर्षीय छात्र अंश परमार लक्ष्मणझूला पुल के पास गंगा में नहाते हुए बह गया था। जबकि, सोमवार को शिवपुरी में राजस्थान के जयपुर निवासी लवेश साटिवाल और चेतना मीणा नहाते हुए बह गए थे। एसडीआरएफ निरीक्षक कंविद्र सजवाण ने बताया कि मंगलवार को दोबारा से सर्च अभियान चलाया जाएगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

314 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 265 पर सिमटा

तिलक का शतक बेकार, पाकिस्तान से हारी इंडिया-ए

मध्यक्रम का साथ नहीं मिलने से टीम को 48 रन से मिली हार



नई दिल्ली। रविवार को एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में पाकिस्तान ए से 48 रन से हार के बाद भारतीय टीम के कप्तान तिलक वर्मा ने मध्य क्रम में साझेदारियों की कमी पर अफसोस जताया। 314 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारतीय टीम 129 रन पर छह विकेट खोकर मुश्किल में थी, लेकिन तिलक और शाहबाज अहमद ने सातवें विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। शाहबाज ने 41 गेंदों पर 56 रन बनाए, जबकि तिलक 149 गेंदों पर 100 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, उनका प्रयास काफी नहीं था और भारत 265 रनों पर ऑल आउट हो गया। तिलक का माननाथा कि शाहबाज का आउट होना गलत समय पर हुआ, ठीक उसी समय जब दोनों बल्लेबाज स्कोर बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। उनका मानना था कि ऑलराउंडर द्वारा फेंके गए कुछ और ओवरों से मैच का रुख बदल सकता था। 'अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की और बीच में शाहबाज ने जिस तरह से मेरे साथ साझेदारी की, वह निर्णायक साबित हुई। दुर्भाग्य से, जब हम तेजी से रन बनाना चाहते थे, तब शाहबाज आउट हो गए। वरना, अगर वह दो ओवर और टिक जाते, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' तिलक ने मैच के बाद कहा। उन्होंने कहा, 'दूसरे ओवर के पहले 10 ओवरों में थोड़ी स्विंग देखने को मिली। उन दोनों तेज गेंदबाजों को श्रेय जाता है जिन्होंने बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की। लेकिन साथ ही, बीच में हमने लगातार दो विकेट गंवा दिए। नहीं तो हम 47वें या 48वें ओवर में ही मैच जीत सकते थे।

भारत ए बनाम पाकिस्तान ए, राइजिंग स्टार्स एशिया कप के मुख्य अंश

अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में 70 रन बनाकर भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्य क्रम के बल्लेबाजों पर काफी दबाव आ गया। भारतीय बल्लेबाज रन रेट बनाए रखने के लिए संघर्ष करते रहे, और पाकिस्तान के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए। तिलक ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के अनुशासित प्रयास की भी सराहना की, लेकिन उन्हें लगा कि भारत ने लगातार विकेट खोकर मैच को हाथ से जाने दिया।

'शतक बनाने के बावजूद, तिलक इसे अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक मानने को उत्सुक नहीं थे। भारतीय टीम के कप्तान के लिए, व्यक्तिगत प्रयास से कहीं अधिक परिणाम मायने रखता था। 'मैं ऐसा नहीं कहूंगा। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है मैच जीतना। अगर मैं मैच नहीं जीतता, तो यह मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण नहीं है। लेकिन मैं हमेशा जितना हो सके उतना आगे तक जाना चाहता हूं। आज मैं उसी की तलाश में था। अगर कोई और बल्लेबाज मेरा साथ दे पाता, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' उन्होंने कहा। तिलक ने टीम की कप्तानी करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी के बारे में भी बात की और कहा कि उन्हें टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने में मजा आता है। 'अगर आप टीम के कप्तान हैं, तो आपको वह जिम्मेदारी और भार उठाना ही चाहिए। तो हां, मुझे ईमानदारी से यह करना अच्छा लगता है। आखिरकार, भगवान दयालु हैं और उन्होंने ही मुझे ये रन दिए हैं,' उन्होंने आगे कहा।

हसन नवाज़ का सर्वोच्च स्कोर

इससे पहले, हसन नवाज़ ने पाकिस्तान ए के लिए 79 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया, जबकि माज़ सदाकत (59) और फरहान यूसुफ (56) ने महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाकर अपनी टीम को 313 रन पर ऑल आउट होने तक पहुंचाया। इसके बाद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने मैच का समापन करते हुए तिलक के शतक के बावजूद भारत ए को 48 रन से हरा दिया।

सिराज को बाहर रखना मेरे लिए भी मुश्किल फैसला था

मैच से पहले उनसे बात की थी: शुभमन गिल

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेसिन रिजर्व में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की जुझारू पारियों के दम पर न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में हार को टालने में सफल रहा। मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने का कारण बताया। गिल ने कहा, 'हमने इस मैच के लिए सबसे बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण को मैदान में उतारा। सिराज एक शानदार खिलाड़ी और बेहतरीन गेंदबाज हैं, जिन्होंने भारत के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मगर इन सबसे बढ़कर, वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमने एक साथ अपने करियर की शुरुआत की थी, भारत के लिए खेलने से पहले से ही हम बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। इसलिए उन्हें बाहर रखना मेरे लिए भी एक बहुत मुश्किल फैसला था। हालांकि, कभी-कभी आपको यह देखना पड़ता है कि कौन से गेंदबाज फॉर्म में हैं और कौन सबसे अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। ' दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की मौजूदा चक्र में मोहम्मद सिराज भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। यही वजह है कि जब पहले टेस्ट के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई, तो टीम मैनेजमेंट के इस फैसले की जमकर आलोचना हुई। गिल ने वेलिंगटन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिराज को अंतिम ग्यारह में जगह न देने को लेकर सफाई दी। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'मेरी उनसे (सिराज) बात हुई थी। मैंने मैच से पहले ही उन्हें बता दिया था कि वह इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वह इससे पूरी तरह सहमत थे या नहीं, लेकिन उन्होंने बात को समझा और इसके पीछे का तर्क भी समझ गए। उन्हें समझ आ गया कि हमने उनकी जगह किसी और को क्यों चुना। मुझे लगता है कि हर खिलाड़ी के करियर या जीवन में एक ऐसा दौर आता है जब वह हमेशा अपने करियर के शिखर पर नहीं होता। मेरे हिसाब से वह इस बात को समझते हैं।



मैनचेस्टर यूनाइटेड के कार्यकाल की भयावह शुरुआत के बाद पोचेटिनो ने योरो को मिले रेड कार्ड पर सवाल उठाए



नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के रूप में मॉरीसियो पोचेटिनो के लिए इससे मुश्किल शुरुआत शायद ही हो सकती थी। लेनी योरो को शुरुआती ही रेड कार्ड मिलने से लिवरपूल के खिलाफ 4-0 की करारी हार का रास्ता साफ हो गया। अर्जेंटीना के इस कोच का मानना ??था कि इस रेड कार्ड ने पूरे मैच का रुख बदल दिया, और उनका तर्क था कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम भी ऐसी परिस्थितियों में इसी तरह की हार का सामना कर सकती थी। आठवें मिनट में ही योरो को एलेक्जेंडर इसाक पर किए गए फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद यूनाइटेड की टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई और इसके ठीक पांच मिनट बाद ही लिवरपूल ने 2-0 की बढ़त बना ली। मैच के बाद पोचेटीनो ने इस फैसले पर निराशा व्यक्त की और सवाल उठाया कि क्या रेड कार्ड दिखाना उचित था। 'यह बहुत दुखद है, मैं बहुत निराश महसूस कर रहा हूँ। यह अविश्वसनीय है कि प्रीमियर लीग में मेरी यात्रा की शुरुआत ऐसे हालातों में हो रही है। एकमात्र समस्या यह है कि मैच छह मिनट बाद पूरी तरह से बदल गया, और अब हम बात कर सकते हैं और सब कुछ समझा सकते हैं, लेकिन नुकसान तो हो ही चुका है। ' 'यह बेहद दर्दनाक है। खिलाड़ी इस तरह की स्थिति का दर्द महसूस करते हैं। मैंने उनसे कहा कि उन्हें शांत रहना होगा, और जो कुछ हुआ वह पूरी तरह से अन्यायपूर्ण स्थिति थी।

पोचेटीनो ने योरो की बर्खास्तगी पर सवाल उठाए

पोचेटीनो ने तर्क दिया कि इसाक को गोल करने के स्पष्ट अवसर से वंचित नहीं किया गया था, उन्होंने जोर देकर कहा कि गेंद पहले से ही गोलकीपर की ओर जा रही थी और योरो का स्ट्राइकर को गिराने का कोई इरादा नहीं था। 'गेंद गोलकीपर की ओर जा रही थी। मुझे लगता है कि उस स्थिति में, अगर आप वीएआर चेक करेंगे, तो आप देखेंगे, जैसा कि हम अब कैमरों में देख सकते हैं, कि लेनी योरो का इरादा कभी भी अलेक्जेंडर इसाक को गिराने का नहीं था। ' उन्होंने आगे कहा कि इसाक गिरने से पहले धीमे हो गए थे, और उनका मानना था कि इस घटना के लिए रेड कार्ड देना उचित नहीं था। पोचेटिनो ने कहा कि वह अधिकारियों का सम्मान करते हैं, लेकिन अपनी टीम का बचाव करना और अपने विचार

'सर्वश्रेष्ठ टीम भी 4-0 से हार सकती है'

मैच के बाद उनकी प्रतिक्रिया में रेड कार्ड का मुद्दा हावी रहा, लेकिन पोचेटीनो ने यह भी स्वीकार किया कि यूनाइटेड को अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने खिलाड़ियों से बेहतर एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का आह्वान किया और माना कि उनके खिलाड़ियों को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इतनी जल्दी मिली हार से उबरना कितना मुश्किल होता है, यहां तक कि उच्चतम स्तर की टीम के लिए भी। 'अगर दुनिया की सबसे अच्छी टीम भी इस तरह से, हमारी परिस्थितियों में खेलती, तो शायद चार गोल या उससे भी ज्यादा गोल खा लेती। और अब हम क्या कहेंगे? ' पोचेटीनो ने जोर देकर कहा कि उनके खिलाड़ियों ने मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद संघर्ष जारी रखा, लेकिन इस हार ने उनके सामने एक तत्काल चुनौती खड़ी कर दी है। यूनाइटेड के पास परिणाम पर विचार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है, क्योंकि बुधवार को चैंपियंस लीग में स्पोर्टिंग के खिलाफ मैच है, जिसके बाद शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ प्रीमियर लीग का मुकाबला है। 2 दिसंबर को न्यूकैसल का दौरा भी है, जिससे एक ऐसी टीम के लिए मैचों का यह दौर काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जो अपने सीजन को पलटने के लिए बेताब है।

'नो हैंडशेक' के पीछे बड़े मुद्दे हैं

एमसीसी हेड ऑफ क्रिकेट बोले इन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं



शारजाह। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने माना है कि जब राजनीति शामिल हो, तो खिलाड़ियों को हैंडशेक (हाथ मिलाने) से बचने से रोकना उनके बस में नहीं है, भले ही वे 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' (खेल की भावना) को बचाए रखना चाहते हों। क्रिकेट में हैंडशेक न करने का मुद्दा मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान मैचों से जुड़ा है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से टॉस के समय या मैच के बाद पारंपरिक रूप से हाथ मिलाने की प्रक्रिया को छोड़ देना एक आम बात हो गई है। हालांकि हैंडशेक खेल भावना का एक पारंपरिक प्रतीक है, लेकिन आईसीसी के नियमों के अनुसार यह अनिवार्य नहीं है। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच हैंडशेक न करने के मामले पुरुषों, महिलाओं और विभिन्न आयु वर्गों के मैचों में देखी गई हैं। इसमें रविवार को दोहा में भारत-ए और पाकिस्तान-ए के बीच खेला गया एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स मैच भी शामिल है। जब एमसीसी के हेड ऑफ क्रिकेट फ्रेजर स्टीवर्ट से पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों के हाथ मिलाने से इनकार करने पर खेल भावना को बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है, तो उन्होंने जवाब दिया कि बड़े राजनीतिक मुद्दे कहीं अधिक अहम होते हैं और वे उनके नियंत्रण से बाहर हैं। शारजाह में आईएलटी20 के दौरान स्टीवर्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ ऐसी स्थितियां होती हैं जो क्रिकेट से परे होती हैं। ये ऐसे स्तर से आती हैं, जहां भू-राजनीतिक मुद्दों पर बात करना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। ' उन्होंने बताया कि एमसीसी तो यही चाहेगा कि खिलाड़ी आपस में हाथ मिलाएं, लेकिन उसका अधिकार क्षेत्र केवल खेल के दौरान खिलाड़ियों के व्यवहार तक ही सीमित है। उन्होंने आगे कहा, 'हम केवल मैदान पर होने वाली चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं, जैसे खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करें, अंपायरों और उनके फैसलों का सम्मान करें, और खेल का सम्मान करें। बस इतना ही हमारे नियंत्रण में है। ' स्टीवर्ट ने आगे कहा कि अगर नेताओं या उच्च स्तर से खिलाड़ियों को हाथ न मिलाने का आदेश दिया जाता है, तो एमसीसी इसमें दखल देकर उसे बदल नहीं सकता। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अगर ऊपर से हैंडशेक न करने के आदेश आते हैं, तो एमसीसी उसे नियंत्रित नहीं कर सकता। हम तो यही चाहेंगे कि खिलाड़ी हाथ मिलाएं, लेकिन हम समझते हैं कि इसके पीछे बड़े मुद्दे हैं, जो हमारे नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हैं। '

'इस ट्रॉफी को पाने के लिए मैंने बहुत मेहनत की थी'

एटीपी फाइनल्स का खिताब जीतने के बाद बोले अल्काराज

ट्यूरिन। कार्लोस अल्काराज ने अपनी पहली एटीपी फाइनल्स जीत को एक बेहद निजी उपलब्धि बताया। रविवार को ट्यूरिन में हुए चैंपियनशिप मैच में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 7-6(6) से हराने वाले अल्काराज ने इस मुश्किल सीजन में अपनी मदद के लिए अपने परिवार और सपोर्ट स्टाफ को श्रेय दिया। 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने बिना कोई मैच हारे अपनी पहली 'ईयर-एंड चैंपियनशिप' (साल के अंत की चैंपियनशिप) जीती। उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ एक खिताब जीतने से कहीं बढ़कर है, खासकर तब जब इस ट्रॉफी को पाने के सफर में उन्हें शारीरिक परेशानियों और मानसिक दबावों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'यह जीत बहुत खास है। यह जीत मेरे लिए, मेरी टीम और मेरे परिवार के लिए सब कुछ है। वे जानते हैं कि मैंने इस पल, इस ट्रॉफी और इस टूर्नामेंट के लिए कितनी मेहनत की है। मैंने इस ट्रॉफी को उठाने के लिए कितनी कड़ी मेहनत की है। इसलिए, आखिरकार यहां इस ट्रॉफी को उठा पाना, एक अद्भुत एहसास है जो मैं अभी महसूस कर रहा हूं। ' एटीपी के अनुसार, मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अल्काराज ने कहा, 'सच कहूं तो, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने, मेरी टीम और मेरे करीबी लोगों ने इस हफ्ते क्या कुछ हासिल किया है। उनके बिना, इस ट्रॉफी को उठाना मुमकिन नहीं होता। ' मैच के आखिरी पॉइंट के बाद ही अल्काराज की भावनाएं साफ

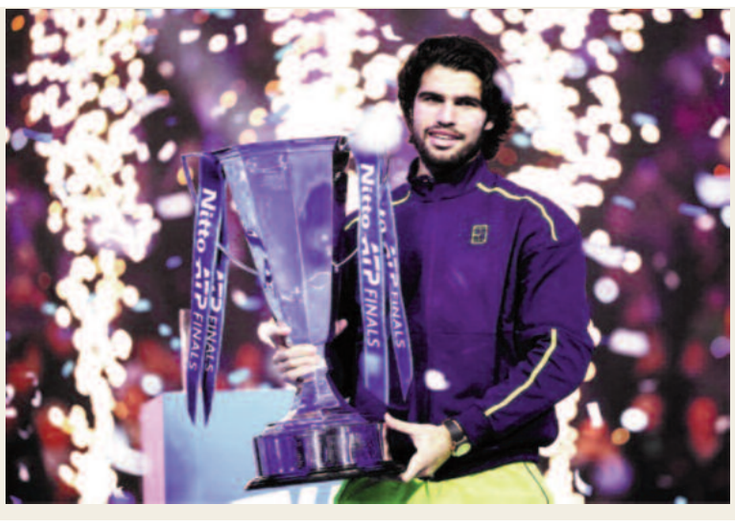

झलक रही थीं। वह कोर्ट पर ही गिर पड़े और फिर अपनी टीम के सदस्यों को गले लगाया। अल्काराज के लिए यह जश्न और भी खास था, क्योंकि उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि पर अपने परिवार की प्रतिक्रिया देखकर यह पल और भी यादगार बन गया। अप्रैल में बार्सिलोना एटीपी 500 टूर्नामेंट के दौरान कलाई में चोट लगने के कारण स्पेन के इस खिलाड़ी को चार महीने से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा। चोट से उबरने और वापस टूर पर लौटने के लिए उन्हें कोर्ट के बाहर काफी सपोर्ट की जरूरत थी। अल्काराज का मानना है कि इसी सपोर्ट ने उनका आत्मविश्वास वापस लाने और उनमें फिर से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता जगाने में अहम भूमिका निभाई।

अल्काराज का इंतजार खत्म

अल्काराज ने कहा, 'यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसे मैं हमेशा से जीतना चाहता था। मैं लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहा था। जब मैंने इसे हासिल किया, तो मुझमें और मेरी टीम में भावनाओं का सैलाब आ गया। मैं उन्हें देख रहा था—वे चिल्ला रहे थे, जश्न मना रहे थे, वे सब कुछ थे। मेरी मां रो रही थीं। वह काफी भावुक इंसान हैं। ' 'उन्हें वहां देखकर, उनके साथ जश्न मनाना और उन्हें गले लगाना- यह सब बहुत शानदार था। मेरे लिए पिछले दो हफ्ते बहुत मुश्किल रहे—दबाव को संभालना, शारीरिक समस्याओं से निपटना, टीम मीटिंग करना, बहुत कठिन फैसले लेना, और कोर्ट के अंदर व बाहर खुद पर काबू रखना।'